mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-298 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
29 अक्टूबर 2024 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

न्यूजीलैंड से हारने ...

@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

धनतेरस आज

29 अक्टूबर, मंगलवार को आज धनतेरस है। इस दिन से दीपोत्सव शुरू हो जाएगा। हर तरह की खरीदारी, निवेश और नई शुरुआत के लिए पूरे दिन शुभ मुहूर्त रहेंगे। खरीदारी और निवेश के लिए रहेंगे 2 मुहूर्त, तीन गुना फायदा देने वाला योग भी रहेगा इस दिन त्रिपुष्कर योग बन रहा है, मान्यता है कि इस योग में किए कामों का 3 गुना फल मिलता है। शाम को धन्वंतरि, कुबेर और लक्ष्मी पूजा होगी। यम के लिए दीपदान भी किया जाएगा। कार्तिक माह (पूर्णिमान्त) की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन समुद्र-मन्थन के समय भगवान धन्वन्तरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे, इसलिए इस तिथि को धनतेरस या धनत्रयोदशी के नाम से जाना जाता है। भारत सरकार ने धनतेरस को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

प्रियंका गांधी चुनाव प्रचार के लिए वायनाड पहुंचीं

भाजपा प्लानिंग के साथ समाज में नफरत-गुस्सा फैला रही

वायनाड (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा दो दिन के दौरे पर सोमवार को वायनाड पहुंची। उन्होंने वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए 23 अक्टूबर को नामांकन भरा था। अपने चुनाव प्रचार के पहले दिन उन्होंने वायनाड में रोड शो किया। प्रियंका ने यहां के नीलगिरी कॉलेज में स्टूडेंट्स से मुलाकात की।

इसके बाद उन्होंने मीनांगड़ी में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं पहली बार ये बात सभी को बता रही हूं कि शादी के बाद मैं दिल्ली में मदर टेरेसा सिस्टर्स में शामिल हुई थी। वहां छोटे बच्चों को अंग्रेजी और हिंदी पढ़ाती थी। हर मंगलवार को हम लोग बाथरूम की सफाई करते थे, फर्श साफ करते थे, खाना पकाते थे, पेंटिंग सिखाते थे और कभी-कभी घूमने जाते थे। भाजपा प्लानिंग के साथ समाज में नफरत-गुस्सा फैला रही; राहुल गांधी जैसा होना आसान नहीं। प्रियंका ने कहा कि मैं 19 साल की थी, पिता के निधन के 6-7 महीने बाद मदर टेरेसा मां (सोनिया) से मिलने घर आईं। उस वक्त मुझे बुखार था। मदर टेरेसा मुझसे मिलीं, मेरे सिर पर अपना हाथ रखा। मेरे हाथ में अपनी माला पहनाई थी ।

वडोदरा में भारत-स्पेन के पीएम ने किया रोड शो

एयरबस असेंबली का उद्घाटन किया

● पीएम मोदी बोले- पॉसिबिलिटी को प्रॉस्पैरिटी में बदलने के लिए सही पार्टनरशिप जरूरी ● वडोदरा के लक्ष्मी पैलेस में दोनों पीएम ने व्यापार संबंधित एमओयू पर साइन किए

वडोदरा (एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज सोमवार को वडोदरा में हैं। सबसे पहले मोदी और सांचेज ने वडोदरा एयरपोर्ट से टाटा के प्लांट तक करीब पौने तीन किमी का रोड शो किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने सी-295 सैन्य विमान के निर्माण के लिए टाटा एयरबस की असेंबली यूनिट का उद्घाटन किया।

इसके बाद दोनों पीएम वडोदरा के लक्ष्मी विलास पैलेस पहुंचे, जहां पीएम मोदी ने स्पेन से आए डेलिगेशन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पीएम ने व्यापार संबंधी एमओयू पर साइन किए।

हम सहयोग जारी रखने के लिए तत्पर हैं : पीएम पेड्रो

लक्ष्मी विलास पैलेस में हुई द्विपक्षीय बैठक में स्पेन के प्रधान मंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा कि जलवायु संकट, गरीबी और असमानता के खिलाफ लड़ाई के लिए सभी अंतरराष्ट्रीय लीडर्स के प्रयासों और राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। इन मुद्दों से निपटने के लिए भारत का प्रभाव और नेतृत्व आवश्यक है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी, हम अपने महान सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने वडोदरा में एयरबस असेंबली का उद्घाटन किया।

हमारी साझेदारी सदियों पुरानी है : पीएम मोदी

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ की यह पहली भारत यात्रा है। नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन में आपकी अनुपस्थिति हम सभी को महसूस हुई। भारत में दिवाली के अवसर पर आपका स्वागत करने का अवसर पाकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैं वडोदरा में आपका स्वागत करता हूं, जिसने मुझे पहली बार संसद सदस्य बनाया। बाद में मैं प्रधानमंत्री बना। मुझे इस बात की भी खुशी है कि आप मेरे गृह नगर गुजरात आए हैं।

दीपोत्सव के लिए अयोध्या सजी-संवरी

श्रद्धालुओं ने 70 प्रतिशत होटल बुक किए

अयोध्या (एजेंसी)। दीपोत्सव के लिए रामनगरी अयोध्या में होटलों की एडवांस बुकिंग होने लगी है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहले दीपोत्सव को लेकर देश भर के रामभक्तों में विशेष आकर्षण दिख रहा है। होटल कारोबारियों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में उनके सभी कमरे फुल हो जाएंगे। वहीं चर्चा ये भी है कि अभी से करीब 70 प्रतिशत तक होटल बुक हो गए हैं। अयोध्या में दीपोत्सव की तैयारियां पूरी हो गई है। यह अलग बात है कि अब बड़ी संख्या में होटल, गेस्ट हाउस और होम स्टे के विकल्प हो जाने से बाहर से आने वाले अतिथियों को परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। नव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद दीपोत्सव पहला अवसर है, जिसे लेकर होटल इंडस्ट्री ने सुखद उम्मीदें संजो रखी हैं। ऐसा इसलिए भी कि रामनवमी और दशहरा पर्व पर उम्मीद के मुताबिक पर्यटक और श्रद्धालुओं का यहां पर ठहराव नहीं हुआ था।

दिवाली तक बना रहेगा उत्साह

खास बात यह है कि दीपोत्सव के लिए 29 और 30 तारीख के लिए तो बुकिंग हो ही रही है। दिवाली के अगले दिन के लिए भी कमरों की काफी डिमांड है। ये वो लोग हैं, जो दीपोत्सव पर आने-जाने में सुरक्षा कारणों से होने वाली रोक-टोक और बंदिशों से बचना चाहते हैं।

70 फीसदी कमरे हुए बुक

होटल और रिजॉर्ट कारोबारी संग्राम सिंह ने बताया कि 29 और 30 तारीख के लिए अभी तक 70 फीसदी कमरे बुक हो चुके हैं। टूर पैकेज के तहत दूसरे राज्यों से समूहों में ज्यादा बुकिंग कराई जा रही है। आने वाले दिनों में उम्मीद है कि जो बचे हुए कमरे हैं, वो भी बुक हो जाएंगे। होटल व्यवसायी के अनुसार 60 फीसदी कमरे बुक हो गए हैं। रामनवमी और दशहरे की अपेक्षा दीपोत्सव पर बेहतर कारोबार के आसार बन रहे हैं।

अयोध्या में दीपोत्सव को लेकर उत्साहित कारोबारी

दीपोत्सव के 10 दिन पहले से जिस तरह एडवांस बुकिंग के रूझान मिल रहे हैं, उससे होटल कारोबारी काफी उत्साहित हैं। दीपोत्सव पर आने के लिए विभिन्न राज्यों के श्रद्धालुओं के समूहों की ओर से बड़ी संख्या में कमरों की बुकिंग करवाई जा रही है। होटल व्यवसायी राहुल पाण्डेय और आदित्य सिंह ने बताया कि दीपोत्सव के लिए तेजी से एडवांस बुकिंग हो रही है। उन्होंने कहा कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहला दीपोत्सव होने के चलते हर बार की अपेक्षा ज्यादा भीड़ आने की संभावना है। संस्कृति और पर्यटन विभाग की ओर से भी उनके होटल में काफी कमरे लिए जाते हैं, इसलिए उनके लिए भी कमरे रोके गए हैं।

छत्तीसगढ़ में मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद 12 को दिखना बंद

● कांग्रेस ने बताया अंखफोड़वा कांड पार्ट- 2; डॉक्टर, स्टाफ नर्स, नेत्र सहायक अधिकारी सस्पेंड

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में मोतियाबिंद के गलत ऑपरेशन से 12 आदिवासी बुजुर्गों को दिखना बंद हो गया है। 22 अक्टूबर को दंतेवाड़ा जिला अस्पताल में 20 लोगों का ऑपरेशन हुआ था। सर्जरी के बाद कुछ लोगों कोआंख में खुजली, दर्द और ना दिखने की शिकायत हुई। मेडिकल बुलेटिन के मुताबिक, 12 मरीज दंतेवाड़ा से रायपुर रेफर किये गये हैं। सभी मरीजों की स्थिति स्थिर है और संक्रमण नियंत्रण में है लेकिन दृष्टि की संभावना को लेकर फिलहाल बताया जा सकना संभव नहीं है।

रविवार को स्वास्थ्य मंत्री ने मुलाकात की, कार्रवाई भी हुई: दंतेवाड़ा से मरीजों के रेफर होने के बाद रविवार को स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी अस्पताल पहुंचे और मरीजों का हाल-चाल जाना।

दवाओं से हो सकता इन्फेक्शन : डॉ. राकेश गुप्ता

कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के डॉ. राकेश गुप्ता ने दंतेवाड़ा से आए मरीजों से सोमवार को मुलाकात की। उन्होंने कहा कि इन्फेक्शन दवाओं और हाइजीन की वजह से हो सकता है। इसकी जांच होनी चाहिए। हम सरकार से मांग करते हैं इन्हें उचित इलाज और मुआवजा दिया जाए।

कांग्रेस ने इसे बड़ी लापरवाही बताते हुए अपनी जांच टीम भी गठित कर दी है। कांग्रेस ने इसे अंखफोड़वा कांड पार्ट 2 बताया है। 2011 में भी गलत इलाज से 40 से ज्यादा लोगों की रोशनी चली गई थी।

जम्मू-कश्मीर के अखनूर में 3 आतंकी ढेर

सुबह आर्मी एंबुलेंस पर फायरिंग की थी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के अखनूर में सोमवार को सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया। सुबह 7:26 बजे लाइन ऑफ कंट्रोल के पास भट्टल इलाके में इन आतंकियों ने आर्मी एंबुलेंस पर फायरिंग की थी। हालांकि इसमें जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ।

अदृश्य सांप की दहशत से खाली हो गया गांव

हापुड़ में घर छोड़कर भाग रहे लोग, हफ्ते भर में 7 को डसा, 3 की मौत

हापुड़ (एजेंसी)। यूपी के हापुड़ जिले के सदरपुर गांव में लोग अदृश्य सांप से दहशत में हैं। एक हफ्ते में यहां सांप के काटने से महिला और उसके दो-बच्चों की मौत हो गई। जबकि 4 महिला-पुरुषों का इलाज चल रहा है। मेडिकल रिपोर्ट में सांप काटने की बात सामने आई है, लेकिन गांव में अब तक किसी ने सांप को नहीं देखा है। सांप की दहशत के चलते गांव में

सन्नाटा पसरा है। लोग इतने डरे हैं कि करीब 30 से ज्यादा बच्चों को रिश्तेदारी में भेज दिया। वहीं, 10-12 घरों पर ताला लग चुका है। गांव में सांप पकड़ने के लिए कई दिनों से एक्सपर्ट जुटे हुए हैं। अब तक 5 सांप पकड़े भी जा चुके हैं, लेकिन उनमें से एक भी जहरीला नहीं निकला।

सांसद पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी मिली है। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस विश्नोई गैंग का सदस्य बताया है। धमकी देने वाले शख्स ने पप्पू यादव को सलमान खान मामले से अलग रहने की हिदायत भी दी है। उसने कॉल पर कहा, सलमान के मामले से दूर रहो, हम कर्म और कांड दोनों करते हैं।

मुख्यमंत्री शिंदे ने रोड शो के बाद नामांकन भरा

● बारामती में डिप्टी सीएम अजित पवार का नॉमिनेशन, यहां भतीजे युगेंद्र चुनाव मैदान में उतरे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे की कोपरी पाचपाखडी सीट से चुनाव लड़ने के लिए सोमवार सुबह नॉमिनेशन फाइल किया। नॉमिनेशन से पहले उन्होंने ठाणे में रोड शो भी किया था। डिप्टी सीएम अजित पवार ने भी सोमवार सुबह बारामती से नामांकन भर दिया है। इसी सीट से अजित के भतीजे युगेंद्र पवार एनसीपी-शरद गुट से उम्मदीवार हैं। युगेंद्र ने भी सोमवार सुबह ही नामांकन भरा। इस दौरान उनके साथ शरद पवार और सुप्रिया सुले भी मौजूद रहीं।

सहारनपुर में युवती से गैंगरेप, दूसरी मंजिल से फेंका

सहारनपुर (एजेंसी)। सहारनपुर में हिंदू युवती से मुस्लिम युवकों ने गैंगरेप किया। आरोप है कि छोटे भाई को किडनैप किया। इसके बाद युवती को बुलाया। उससे बंधक बनाकर रेप किया। फिर तीसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया। इससे युवती की टांग टूट गई। पीड़िता मां के साथ सोमवार को एसएसपी ऑफिस पहुंची। रोते हुए उन्हें पूरी आपबीती बताई। एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने मामले में जांच कर आरोपियों पर कार्रवाई का भरोसा दिया है।

नीतीश कुमार ने सीएम हाउस में की बैठक,हुआ 2025 का फैसला

सीएम नीतीश बोले मंत्री विजेंद्र यादव के कारण 2 बार एनडीएम में गया

पार्टी लाइन से बाहर ना जाएं कार्यकर्ता, उपचुनाव जीतने पर भी हुआ मंथन

पटना (एजेंसी)। बिहार में उपचुनाव की चारों सीटें जीतने के लिए एनडीए ने कमर कस ली है। सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी लाइन में रहकर काम करने की हिदायत दी गई है। जिला स्तर पर कॉर्डिनेशन कमेटी बनाई जाएगी। जो बूथ लेवल तक के कार्यकर्ताओं के साथ तालमेल बनाएंगी।

ये फैसले सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर एनडीए नेताओं की बैठक में लिए गए। ढाई घंटे चली मीटिंग के दौरान सीएम नीतीश कुमार ने मंत्री विजेंद्र यादव की ओर इशारा करते हुए कहा कि इन्हीं के कहने पर 2 बार एनडीए छोड़कर महागठबंधन में शामिल हुआ।

2025 में 225 सीटें जीतने का टारगेट

उन्होंने आगे कहा कि एनडीए से पहले जो सरकार थी, उनके बारे में भी बताना है कि उस वक्त बिहार में क्या स्थिति थी। 2024 में एनडीए गठबंधन ने 30 लोकसभा सीट जीती हैं। 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन 225 सीट जीते यह बैठक में लक्ष्य तय हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

साइटिस प्राणी प्रजातियों का अवैध व्यापार करने वाले आरोपी कार्तिक की जमानत खारिज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव) ने बताया कि साईटिस प्राणी प्रजातियों का अवैध व्यापार करने वाले आरोपी कार्तिक की जमानत याचिका अतिरिक्त विशेष सत्र न्यायालय इंदौर द्वारा 25 अक्टूबर 2024 को विस्तृत सुनवाई के बाद छठवीं बार खारिज कर दी गई है। प्रकरण में विवेचना जारी है।साइटिस प्राणी प्रजातियों का अवैध व्यापार का मुख्य सरगना दिल्ली निवासी कार्तिक, के पास से स्टेट टाईगर स्ट्राइक फोर्स मध्यप्रदेश भोपाल एवं क्षेत्रीय इकाई इंदौर द्वारा 25 मई 2024 को दुर्लभ जीवित प्राणी इगुआना एवं एंपरर स्कॉर्पियन जप्त किये गये थे। साथ ही वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया था। प्रकरण में अग्रिम कार्रवाई करते हुए कार्तिक को 8 जून 2024 को गिरफ्तार किया गया था। कार्तिक की निशानदेही पर राज्य के बाहर बुलंद शहर (उत्तरप्रदेश) एवं हैदराबाद (तेलंगाना) से 40 से अधिक साइटिस प्राणी प्रजातियों (दुर्लभ विदेशी वन्य प्राणी) को जप्त कर कार्रवाई की गई थी।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों का मंत्री सुश्री भूरिया ने लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मंदसौर में 29 अक्टूबर को प्रस्तावित कार्यक्रम के संबंध में महिला बाल विकास एवं मंदसौर जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने तैयारियों अवलोकन किया और अधिकारियों का आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर सांसद श्री सुधीर गुप्ता, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक सभी जिलाधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री, मंत्री, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक होंगे शामिल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश सरकार इस वर्ष प्रदेश में गौ-संरक्षण एवं गो-संवर्धन वर्ष मना रही है, जिसके अंतर्गत समय-समय पर पूरे प्रदेश में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर पूरे प्रदेश में दशहरे पर शस्त्र पूजन के बाद अब आगामी गोवर्धन पूजा के दिन 2 नवंबर को प्रदेश के हर जिले में विभिन्न गौ-शालाओं में गौ-संरक्षण एवं संवर्धन संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। मध्यप्रदेश गौ-संवर्धन बोर्ड के प्रबंध संचालक ने बताया कि गोवर्धन पूजा पर गोवंश की पूजा के साथ ही गौ-संरक्षण एवं गौ-संवर्धन के संबंध में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे इन कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहें तथा गोवंश की रक्षा और गोपालन में अपना अधिक से अधिक योगदान दें।

अब सांची का नेचुरल नारियल पानी आएगा बाजार में

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। दूध, दही, श्रीखंड, बृज पेड़ा, केशव पेड़ा, सांची नीर और सांची खीर सहित अन्य उत्पादों के बाद अब सांची दुग्ध संघ अपना नया उत्पाद शुद्ध, नेचुरल और पाश्चुरीकृत सांची नारियल पानी बाजार में लाएगा। पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल भोपाल सहकारी दुग्ध संघ के मुख्य डेयरी प्लांट में इसकी बिक्री का विधवत शुभारंभ करेंगे। इसे नारियल उत्पादन क्षेत्र तमिलनाडु के पोलाची में 200 एम एल की बोतल में पैक कराया जाएगा। इसका बाजार मूल्य ?50 रूपये प्रति बोतल रहेगा। सांची दुग्ध संघ की यह बड़ी उपलब्धि होगी, क्योंकि अभी तक किसी भी दुग्ध सहकारी संघ ने पैक बोतल में नारियल पानी उपलब्ध नहीं कराया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पशुपालन मंत्री श्री लखन पटेल के नेतृत्व में सांची दुग्ध संघ निरंतर तरक्की कर रहा है। कुछ वर्ष पहले तक 04 से 06 उत्पादों तक सीमित रहने वाला दुग्ध संघ अब 25 तरह के अपने उत्पाद बाजार में उपलब्ध करवा रहा है। इससे सांची पार्लर संचालकों की आय में वृद्धि हुई है और स्थान-स्थान पर स्मार्ट सांची पार्लर लगाए जा रहे हैं। भोपाल दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी. तिवारी ने बताया कि शुद्धता ही सांची की पहचान है। सांची द्वारा नारियल पानी बाजार में लाने का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को वाजिब दामों पर पर्याप्त मात्रा में शुद्ध नारियल पानी उपलब्ध करवाना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव दिलाएंगे राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 29 अक्टूबर को प्रात-9 बजे टी.टी. नगर स्टेडियम भोपाल में राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाएंगे। साथ ही रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस पर होने वाली रन फॉर यूनिटी इस बार 29 अक्टूबर को आयोजित करने की घोषणा की है। उल्लेखनीय है कि 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती के दिन ही दीपावली का पर्व भी है।

ग्रामीण क्षेत्रों का विकास राज्य सरकार की प्राथमिकता

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिये कृत-संकल्पित है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों में तेजी से हुए विकास से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। प्रदेश के अब हर गांव तक पक्की सड़क पहुंचाये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह शनिवार को नरसिंहपुर जिले की ग्राम पंचायत चांदनखेड़ा में आयोजित लोकार्पण एवं भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने डंगहा गांव में पंचायत भवन बनाने के लिये 30 लाख रूपये की राशि देने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि पंचायत भवन बन जाने से ग्रामीणों के कार्य अब और सुविधाजनक तरीके से होने लगेंगे। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने 65 लाख रूपये की राशि से निर्मित होने वाले उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का लोकार्पण, एक करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले घोघरा मार्ग निर्माण का भूमि-पूजन और ग्राम रायपुर में करीब 50 लाख रूपये राशि के उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का लोकार्पण किया।

उन्होंने कहा कि उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन बन जाने से ग्रामीण आबादी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी। उन्होंने डंगहा गांव में पंचायत भवन बनाने के लिये 30 लाख रूपये की राशि देने, अनुसूचित जाति टोला में शेड निर्माण के लिये 2 लाख 50 हजार रूपये हाई स्कूल के लिये 2 अतिरिक्त कक्ष, स्कूल के ऑडिटोरियम के लिये 20 लाख रूपये और सामुदायिक भवन निर्माण के लिये 25 लाख रूपये दिये जाने की घोषणा भी की। इस मौके पर पंचायत प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

हरदा में बिजली कंपनी के 15 पोल तोड़ने के आरोप में 3 आरोपियों पर एफआईआर दर्ज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के हरदा वृत्त के मसनगांव वितरण केन्द्र अंतर्गत गैरकानूनी रूप से बिजली लाइन के 15 पोल तोड़ने पर तीन आरोपियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करायी गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मसनगांव वितरण केन्द्र के सहायक प्रबंधक श्री प्रदीप कुमार डोले के आवेदन पर थाना छिपाबड द्वारा तेजराम विश्नोई, अनिल विश्नोई एवं अमित विश्नोई के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 324 (5), म.प्र. सम्पत्ति विरूपण निवारण अधिनियम 1994 की धारा 3, विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 139 एवं 140 के अंतर्गत अपराध पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है। गौरतलब है कि कंपनी मसनगांव वितरण केन्द्र के सहायक प्रबंधक श्री प्रदीप कुमार डोले ने बताया की मसनगांव केंद्र के 33/11 केवी उप केन्द्र जामली से निकलने वाली नवीन 11 केवी घरेलू लाइन का कार्य किया गया था। जिसमें 27 अक्टूबर 2024 को रात्रि में लगभग 1 बजे श्री सदाशिव पिता श्री कृष्ण बिश्नोई ग्राम बड़नगर के खेत में 8 पोल एवं श्री पवन पिता श्री मुकेश बिश्नोई ग्राम बड़नगर के खेत में 7 पोल, इस तरह से कुल 15 पोल तोड़े गए हैं। इसमें श्री तेजराम पिता श्री जगन्नाथ बिश्नोई निवासी ग्राम बडनगर, श्री अनिल पिता श्रीकृष्ण बिश्नोई निवासी ग्राम हरपालिया तथा श्री अमित पिता श्रीअमृतलाल बिश्नोई ग्राम खमलाय एवं उनके साथियों के खिलाफ पोल तोड़ने के आरोप में नामजद एफआईआर दर्ज कराई गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि उक्त घटना में 15 पोल टूटने के कारण विद्युत अधोसंरचना एवं कंपनी को हुई 2 लाख रूपये की आर्थिक क्षति के चलते आरोपियों पर कार्यवाही की गई है। घटना के संबंध में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि कोई भी इस तरह से कंपनी के खिलाफ गैरकानूनी काम न करें।

बाघ चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों को किया जा रहा है जागरूक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सिवनी जिले के पेंच टाईगर रिजर्व द्वारा वन्य प्राणियों के संरक्षण के साथ ही मानव-वन्य प्राणी द्वंद से बचाव के लिये स्थानीय ग्रामीणों को बाघ चौपाल के माध्यम से बाघ फिल्म दिखाकर जागरूक किया जा रहा है। इस नवाचार में बफर जोन के किसी न किसी गांव में प्रतिदिन शाम के समय फिल्म दिखाई जा रही है। फिल्म के माध्यम यह बताया जा रहा है कि जब किसी वन्य प्राणी का गांव एवं खेत के पास वन विभाग द्वारा रेस्क्यू किया जाता है, तो वहाँ पर भीड़ नहीं लगानी चाहिये और अवांछित लोगों के बहकावे में

न आकर वन विभाग की रेस्क्यू टीम को सहयोग करना चाहिये। बाघ चौपाल में ग्राम के सभी लोगों को एक स्थान पर इकट्ठा करके वन विभाग की टीम द्वारा फिल्म दिखाने के अलावा वन्य प्राणी से बचाव के तरीकों की जानकारी भी दी जा रही है। सिवनी जिले के पेंच टाईगर रिजर्व के बफर जोन के सभी ग्रामों में यह अभियान प्रतिदिन चलाया जाकर वन्य प्राणियों के संरक्षण एवं मानव-वन्य प्राणी द्वंद से बचाव संबंधी जानकारी दी जा रही है।

मंत्री भूरिया ने जाबाली कप क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। महिला बाल विकास एवं मंदसौर जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने मंदसौर के नूतन स्टेडियम में जाबाली कप क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुई। यह प्रतियोगिता 20 अक्टूबर से चल रही थी। परवलिया की विजेता टीम को प्रोत्साहन स्वरूप 31000 रुपए और उपविजेता पिपलिया जोधा की टीम को 11 हजार रुपए का पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में घुमंतू, अर्द्ध घुमंतू, जनजाति लोगों के लिए बेहतर कार्य करने वाले समाजसेवियों को सम्मान पाती भेंट की गई। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि जनजाति वर्ग के लोगों को मुख्य धारा में जोड़ने का काम सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का लगातार प्रयास और कोशिश रहती है की जनजाति वर्ग को मुख्य धारा में जोड़ा जाए। इनके लिए मंदसौर में आवासीय विद्यालय बने, इसके लिए प्रयास किए

जाएंगे। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि क्रिकेट टूर्नामेंट में बालिकाएं भी भाग लें और उनकी भी टीम बनाई जाये।

इस अवसर पर सांसद श्री सुधीर गुप्ता, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, श्री नानालाल अटोलिया, श्री रवि प्रताप बुंदेला सहित अन्य सभी जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारियों में डीआईजी श्री मनोज कुमार सिंह, कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद और खिलाड़ी मौजूद रहे।

जोहर कप में मध्यप्रदेश अकादमी के 3 खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। 12वें सुल्तान ऑफ जोहर कप में जोहर बारू, मलेशिया में आयोजित प्रतियोगिता में भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीता। इस सफलता में मध्यप्रदेश राज्य पुरुष हॉकी अकादमी के तीन खिलाड़ी प्रियवर्त, अंकित पाल और मोहम्मद कोनैन डैड ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन तीनों खिलाड़ियों के साथ मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी के अन्य खिलाड़ी मोहम्मद

ज़ैद, सुंदरम सिंह राजावत और मोहित कर्मा भी भारतीय जूनियर कोर ग्रुप में शामिल हैंखेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने खिलाड़ियों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह पदक हमारी राज्य अकादमी के खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। सभी खिलाड़ी अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक ओलंपियन समीर दाद और सहायक प्रशिक्षकों लोकेन्द्र शर्मा एवं हबीब हसन के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन को रोकने जमीनी स्तर पर व्यवहार में लाना होगा बदलाव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिये जमीनी स्तर पर व्यवहार में बदलाव लाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पंचामृत की जो बात कही गई है, उसका पालन सभी को करना चाहिए। भारत हमेशा प्रॉब्लम सॉल्वर के रूप में सामने आया है। विषय-विशेषज्ञों ने इस तरह के विचार जलवायु परिवर्तन के लिये वैश्विक प्रयास - भारत की प्रतिबद्धता में राज्यों का योगदान पर हुई संगोष्ठी में इंडियाज पर्सपेक्टिव ऑन क्लाइमेट चेंज और पॉजिटिव एफर्टस् फॉर क्लाइमेट प्रोटेक्शन एट नेशनल एण्ड इंटरनेशनल लेवल्स पर हुए पैनल डिस्कशन में व्यक्त किये। सेवानिवृत्त आईएएस श्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कार्बन बाजारों में प्रवेश के लिये ठोस फ्रेमवर्क बनाने की जरूरत है। इससे प्राकृतिक खेती और सतत् वन विकास एवं पर्यावरणीय प्रयासों को वित्तीय सहायता मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि यह कदम न केवल पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को प्रोत्साहित करेगा बल्कि भारत को वैश्विक हरित अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका में स्थापित करेगा। श्री प्रसाद कहा कि जलवायु परिवर्तन का सबसे अधिक प्रभाव गरीबों पर पड़ता है, अत- क्लाइमेट जस्टिस जरूरी है। वरिष्ठ पत्रकार की श्री अभिलाषा खांडेकर ने कहा कि जमीनी स्तर पर बदलाव लाने के लिये नेचर वॉलेंटियर्स बनाने की जरूरत है। पानी का सदुपयोग करें। उन्होंने कहा कि क्लाइमेट चेंज को रोकने के व्यवहार में परिवर्तन जरूरी है। आईआईएफएम के प्रोफेसर डॉ. योगेश दुबे ने कहा कि क्लाइमेट चेंज को रोकने के लिये भारत सरकार ने बड़ी तेजी से कदम आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं ग्लास में एक भी बूंद पानी की नहीं छोड़ता। श्री दुबे ने कहा कि स्वाइल हेल्थ कार्ड बनाने का कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है।

वनीकरण और हाइड्रोजन फ्यूल के उपयोग को बढ़ावा देना क्लाइमेट चेंज को रोकने में मददगार साबित होंगे। टाइम्स ऑफ इंडिया के वरिष्ठ पत्रकार श्री विश्वमोहन ने कहा कि सभी को मिलकर समग्र प्रयास करने की जरूरत है। वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और प्राचीन पर्यावरणीय संरचनाओं पर गहराई से अध्ययन करने की योजना बनाई गई है। इसमें बारिश को प्रभावित करने वाले वायुकणों का अध्ययन, जलवाष्प का विश्लेषण जैसे विषयों को शामिल किया गया है। संचालक अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान श्री राजेश गुप्ता ने कहा कि यहां जो चर्चाएं हुई हैं, वह दूर तलक जायेंगी। यह एक शुरूआत है, हम जरूर कामयाब होंगे। नर्मदा समग्र के चीफ एक्जीक्यूटिव श्री कार्तिक सप्रे ने कहा कि मैं से हम और हम से सब के सूत्र पर काम कर रहे हैं। नदी केवल एक बहता पानी नहीं है बल्कि यह एक सजीव है। पैरवी के डायरेक्टर श्री अजय झा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन पर पहली बार मध्यप्रदेश में राज्य स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय विषय पर सार्थक चर्चा की गई।

एम.पी. ट्रांसको इंदौर में आयोजित हुये सुरक्षा जागरुकता प्रशिक्षण शिविर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देशानुसार उद्देश्य से एम.पी. ट्रांसकों में जीरो एक्सीडेंट लक्ष्य के साथ ट्रांसमिशन लाइनों एवं एक्स्ट्रा हाईटेंशन सब स्टेशनों में मेंटेनेंस करने मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के ट्रांसमिशन लाइन और एक्स्ट्रा हाईटेंशन सब स्टेशनों के मेंटेनेंस स्टॉफ में सुरक्षा जागरूकता के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये गये।

इन प्रशिक्षण शिविरों में ट्रांसमिशन लाइनों और सब स्टेशनों में सुरक्षा के विभिन्न उपायों को ध्यान में रख कर सतर्कतापूर्वक कार्य संपादित करने के लिए ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेन्स के 20 स्टाफ

एवं सब स्टेशनों के 40 आउटसोर्स स्टॉफ सहित कुल 71 मेंटेनेंस स्टाफों को प्रशिक्षण दिया गया। ये प्रशिक्षण शिविर ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेन्स के इंदौर मुख्यालय सहित अन्य उपसंभागो के साथ 132 के व्ही सब-स्टेशन चंबल, इंदौर में आयोजित किये गये।

प्रशिक्षण में कर्मियों को जागरूक किया गया कि ट्रांसमिशन एलिमेंट्स में कार्य करने करते समय क्या-क्या सावधानियां और सतर्कता बरतनी पड़ती है। मेंटेनेंस स्टाफ को चालू और बंद लाइनों और उपकरणों में कार्य करने की विभिन्न सुरक्षित तरीकों और सुरक्षा उपकरणों के साथ कार्य करने के बारे में बताया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा जारी किए गए सुरक्षा मैन्युअल को भी विस्तार से बताया गया तथा सभी मेंटेनेंस स्टॉफ को इसे बार-बार पढ़ने के लिए प्रोत्साहित भी किया गया।

इंदौर में यह उपयोगी सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण शिविर अधीक्षण अभियंता श्रीमति नीलम खन्ना एवं श्री प्रदीप राघव के संयोजन में आयोजित हुये। इसमें इंदौर के अन्य अधिकारियों ने मेंटेनेंस स्टाफ को सुरक्षित कार्य करने के महत्वपूर्ण गुर सिखाये।

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित

प्रत्येक माह आयोजित होगा समाधान दिवस का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों को तत्परता से निराकृत करने के लिए जिले में प्रत्येक माह समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा। गत माह समाधान दिवस के आयोजन से जिले में शिकायतों के निराकरण में अपेक्षित प्रगति प्राप्त हुई है। गत माह शिकायतों के निराकरण में प्रदेश में जिला 11वें स्थान में रहा है। कलेक्टर ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देश में पुनः समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम प्रारंभ हो गया है। सभी अधिकारी समाधान ऑनलाइन में चयनित विषयों से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण कराया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि अन्य शिकायतों का भी निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करायें। अन अटेन्डेड तथा निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों की संख्या न्यूनतम होनी चाहिए। बजट के अभाव के कारण लंबित शिकायतों को छोड़कर शेष सभी शिकायतों का शतप्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करायें। कलेक्टर ने कहा कि ऐसे प्रकरण जिसमें राज्य स्तर से कार्यवाही अपेक्षित है, लगातार पत्राचार कर फॉलोअप करें।

दीपावली के त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने मिलावटी खाद्य पदार्थों के विक्रय के रोकने के लिए खाद्य सामग्रियों की सतत जांच करने और सैम्पल लेने के निर्देश दिए हैं। पटाखों के विक्रय स्थल पर सभी सुरक्षात्मक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पटाखों के गोदाम, भंडारण स्थल आदि के निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। रीवा-सीधी-सिंगरौली नई रेल लाइन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने भू-अर्जन से संबंधित सभी कार्यवाहियां अभियान चलाकर तीन दिवस में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने अवार्ड वितरण से संबंधित सभी मामलों में भुगतान की कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देशः केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जनजातीय बहुल गांवों और आकांक्षी जिलों में जनजातीय परिवारों के लिए परिपूर्णता लक्ष्य को अपनाकर जनजातीय समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार हेतु धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान) को मंजूरी दी। उक्त अभियान के तहत सीधी जिले के 134 जनजातीय बहुल गांव लाभान्वित होंगे। विकासखंड कुसमी के 37, मझौली के 24, सिहावल के 14, सीधी के 48 तथा रामपुर नैकिन के 11 गांव लाभान्वित होंगे। अभियान का उद्देश्य भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका में महत्वपूर्ण अंतराल को भरना और पीएम जनमन (प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान) की सीख और सफलता के आधार पर जनजातीय क्षेत्रों एवं समुदायों का समग्र और सतत विकास सुनिश्चित करना है। इस मिशन में 25 कार्यक्रम शामिल हैं, जिन्हें 17 मंत्रालयों द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा। कलेक्टर ने सहायक आयुक्त को संबंधित विभागों से समन्वय कर लक्ष्य की प्राप्ति के निर्देश दिए हैं। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल एसपी मिश्रा, चुरहट शैलेश द्विवेदी सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

खंडहर में तब्दील सिहावल परियोजना कार्यालय पशुओं का लगा रहता है जमावड़ा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले के विधानसभा सिहावल क्षेत्र के जनपद पंचायत सिहावल क्षेत्र अंतर्गत सिहावल परियोजना कार्यालय का जहां पर आपको बता दें कि साफ तौर पर देखने को मिल पा रहा होगा कि परियोजना का कार्यालय खंडहर में तब्दील दिखाई दे रहा है और आसपास पशुओं का जमावड़ा लगा हुआ है लेकिन परियोजना कार्यालय परिसर के सामने आवारा पशुओं का जमावड़ा आखिर क्यों लगा रहता है यह बड़ा सवाल अपने आप में खड़ा हो रहा है ।आखिर क्यों परियोजना कार्यालय में साफ सफाई नहीं की गई मरम्मती करण क्यों नहीं किया गया उसकी व्यवस्था आखिर क्यों सुदृढ़ नहीं बनाई गई यह भी अपने आप में बड़ा सवाल बना हुआ है।

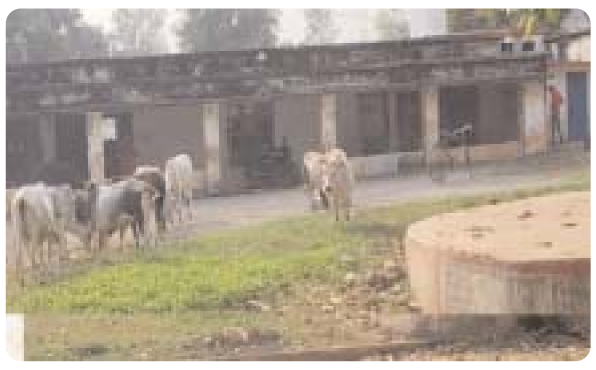

जिम्मेदार बेखबर बने हुए हैं अपने-अपने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते नजर आते हैं आखिर वहीं पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिहावल का कार्यालय बगल में है लेकिन किसी भी अधिकारी की नजर उक्त कार्यालय की व्यवस्थाओं को लेकर नहीं पड़ती है ऐसा लगता है की आंख में पट्टी बांधकर आते हैं और चले जाते हैं अगर ऐसा नहीं तो फिर क्यों अभी तक कार्यालय की व्यवस्था क्यों नहीं सुदृढ़ हो पाई और कार्यालय का मरमती कारण क्यों नहीं हो पाया उक्त मामले पर संबंधित अधिकारी जवाब देने से कतराते नजर आ रहे हैं।

कब तक में होगी परियोजना कार्यालय की मरमती करणः आपको बता दें कि यह हालात जब अधिकारीयों के कार्यालय की है तो छोटे कार्यालयों की तो बात ही क्या किया जाए क्योंकि अगर हम बात करें छोटे कार्यालयों की तो अगर वहां पर छोटे कर्मचारी अपने कार्यालय की साफ सफाई मरम्मती करण यदि नहीं करते तो वरिष्ठ अधिकारी उनके ऊपर कार्यवाही करते हैं लेकिन यह भ्रष्टाचार जब अधिकारियों के ही कार्यालय में हो तब उन पर कार्यवाही कौन करेगा यह अपने आप में बड़ा सवाल क्या छोटे ही कर्मचारी हर बात को लेकर जिम्मेदार हैं बड़े अधिकारियों पर कोई कार्यवाही करेगा यह अपने आप में भी बड़ा सवाल बना हुआ है

आखिर अभी तक कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाया गया जैसे वहां पर पदस्थ परियोजना अधिकारी साफ तौर पर जिम्मेदार जनपद कार्यालय को ठहरा रही हैं तो उनकी क्या नैतिक जिम्मेदारी बनती है क्या उनके द्वारा कार्यालय को मरम्मती करण हेतु आगे पत्र दिया गया है या नहीं यह मामला अभी जांच का विषय है की वरिष्ठ कार्यालय में क्या वहां पर जिम्मेदार अधिकारी के द्वारा पत्र को दिया गया है कि नहीं।

उक्त मामले को लेकर के सिहावल मुख्य कार्यपालन अधिकारी से जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो वह भी कतराते नजर आए फोन उठाना उचित नहीं समझे आखिर में कार्यपालन अधिकारी के भी कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं ऐसे ही लचर व्यवस्था जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत होगी मनमानी तरह से और भी कर्मचारी काम करते होंगे यह भी अभी मामला संदेह के घेरे में है कि क्या उनकी नजर इस पर पड़ेगी उसको सुधार आएंगे या नहीं यह तो देखने वाली बात होगी।

जनपद कार्यालय की बिल्डिंग है जनपद अधिकारी जिम्मेदारः अनसुईया बाजपेईः उक्त मामले को लेकर के सिहावल परियोजना अधिकारी अनुसुइया वाजपेई से जब संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उनके द्वारा साफ तौर पर यह जवाब दिया गया कि यह जनपद कार्यालय की बिल्डिंग है और इसकी मरम्मती कारण अभी नहीं हो पाई है इसका पूर्ण रूप से जिम्मेदार जनपद कार्यालय सिहावल है या वहां के कार्यपालिक अधिकारी हैं।

70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को मिलेगा आयुष्मान योजना का लाभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जानकारी देकर बताया गया कि मंगलवार दिनांक 29 अक्टूबर 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी वृद्ध जनों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में शामिल किए जाने के लिए वर्चुअल शुभारंभ किया जा रहा है। साथ ही यू विन पोर्टल सहित अनेक डिजिटल नवाचारों को भी लॉन्च किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दोपहर 12.30 बजे से 1.30 की अवधि में वर्चुअल शुभारंभ कार्यक्रम जिला चिकित्सालय परिसर में सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय सीधी के निर्देशानुसार संपादित किया जाएगा। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं जनमानस को आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर आम जन की चिकित्सा सेवा के लिए निःशुल्क शिविर भी आयोजित किए गए हैं।

50 हजार रुपए के लिए दोस्त को किया किडनैप

प्रयागराज में बंधक बनाया, मोबाइल लोकेशन के आधार पर पकड़ाया

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। 50 हजार रुपए के लिए एक युवक ने साथियों के साथ मिलकर अपने ही दोस्त का किडनैप कर लिया। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज लेकर जाकर बंधक बनाया। मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है। रविवार रात पुलिस ने इस मामले में अपहरण का केस दर्ज किया। सोमवार को पुलिस ने इस मामले का खुलासा किया। मामला ब्यौहारी थाना क्षेत्र का है। ब्यौहारी थाना प्रभारी अरुण पांडेय ने बताया कि शनिवार रात करीब 12 बजे बरकछ के रहने वाले अर्पित द्विवेदी (21) पिता सीताराम द्विवेदी के अपहरण की सूचना मिली। सायबर सेल की मदद से आरोपियों की लोकेशन उत्तरप्रदेश में प्रयागराज के शंकरगढ़ में मिली।

गैरज में बंधक बना रखा थाः पुलिस टीम तुरंत शंकरगढ़ रवाना हो गई। रविवार दोपहर मोबाइल लोकेशन के आधार पर घेराबंदी कर एक गैरेज पर छापा मारा। यहां आरोपी शुभम कुमार मिश्रा ने अर्पित को बंधक बना रखा था। पुलिस ने शुभम को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को लेकर सोमवार सुबह ब्यौहारी थाने पहुंचे। इसके बाद शुभम मिश्रा समेत छोटा पाण्डेय, अंकित पाण्डेय, शनि व रवि के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज किया गया।

ऑनलाइन ट्रांसफर करवाए रुपएः पुलिस की पूछताछ में बरकछ गांव के रहने वाले अर्पित ने बताया कि शनिवार रात को साथी सुभाष तिवारी के साथ बाइक से परिचित के बर्थडे कार्यक्रम में जा रहा था। इसी दौरान बरकछ तिराहे के पास बाइक के सामने कार आकर रुकी। कार से उतर पांच लोग उतरे। एक बदमाश ने कट्टा अड़ाकर अर्पित को जबरन गाड़ी में बैठा लिया। सुभाष ने घर जाकर परिजन को घटना के बारे में बताया। आरोपी उसे प्रयागराज ले गए। यहां धमकी देकर 49 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसकर करवा लिए।

आरोपी और अपहृत युवक आपस में दोस्तः टीआई के मुताबिक अपहृत अर्पित और आरोपी शुभम आपस में दोस्त हैं। अर्पित पहले प्रयागराज में रहकर काम करता था। इसी दौरान दोनों की पहचान हुई। कुछ महीने पहले अर्पित ने आरोपियों से 50 हजार रुपए उधार लिए थे।

जल विहार मेले में भजन संध्या

कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोहा, आज रात कवि सम्मेलन का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर में पिछले 4 दिनों से चल रहे जल विहार मेले में रविवार रात भजन संध्या का आयोजन किया गया। यहां स्थानीय और बाहर से आए कलाकार प्रस्तुति दी। भजन संध्या का आनंद लेने के लिए सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंचे। आयोजन देर रात तक चलता रहा। इस दौरान कलाकार अरुण मणि लक्खा, राज गुप्ता, लक्ष्मी सिंह, सुषमा पांडेय में शानदार भजनों की प्रस्तुति दी। साथ ही ब्रजधाम मथुरा से आए कलाकार पंकज तिवारी और उनके साथियों ने भजनों पर कृष्ण लीलाओं का मंचन किया।

भजन संध्या का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती वन्दना और दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि पूर्व विधायक प्रद्युम्न सिंह लोधी, अन्य विशिष्ट अतिथियों का पुष्प गुच्छ, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत और सम्मान किया गया।

ये रहे मौजूदः इस अवसर पर नपा अध्यक्ष ज्योति सुरेन्द्र चौरसिया, सीएमओ दिनेश तिवारी, नपा उपाध्यक्ष विकेन्द्र बाजपेई, करुणेंद्र प्रताप सिंह, सुरेंद्र चौरसिया, अरविंद बुंदेला, संजय रिछारिया, राकेश खरे, संजय बरसैया, राजेंद्र पाठक, हरगोविंद तिवारी, प्रखर भट्ट, सूरज बुंदेला, जन अभियान परिषद से आशीष ताम्रकार, डॉ. आदर्श ताम्रकार, संतोष ताम्रकार, पार्षदगण विजेता पारस दुबे, ज्योति सुरेन्द्र साहू, रेखा सुनील वर्मा, शैला बिट्टू चौरसिया, गीता दिनेश तिवारी, मंजू भार्गव, पल्ली दादा सहित आम लोग मौजूद रहे। बता दें, पिछले दिनों से चल रहे मेले में कई झूले, मौत का कुआं, बुंदेली व्यंजन के स्टॉल का लुत्फ उठाने भारी लोग पहुंच रहे हैं। लाइट की आकर्षक सजावट लोगों को आकर्षित कर रही है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी के बच्चों का हुआ स्टेट जूडो टूर्नामेंट में चयन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। शहडोल जिले के जयसिंहनगर में राज नारायण स्मृति महाविद्यालय में 26 अक्टूबर को आयोजित संभाग स्तर बालक और बालिका जूडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सीधी जिले के तीन बालक और एक बालिका का स्टेट स्तर में चयन हुआ। बालक वर्ग में 60 किलोग्राम में प्रियंचाल सिंह चौहान, (-100) किलोग्राम शिवम सिंह चौहान व (100) में गौरव रैकवार और बालिका वर्ग में 63 किलोग्राम में आयुषी मिश्रा का स्टेट स्तर जूडो प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ। सभी चयनित खिलाड़ी शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर में आयोजित जूडो प्रतियोगिता में रीवा संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे।

चयनित खिलाड़ियों को सीधी जिले के शासकीय संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी के सिंह और संचालक कॉलेज के वरिष्ठ क्रीड़ाधिकारी डॉ रविंद्र सिंह व महाविद्यालय के समस्त परिवार ने बधाई और शुभकामनाएं दी।

लोकल फॉर वोकल का दिया संदेश, विधायक रीती पाठक ने की खरीददारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। धनतेरस एवं दीपावली के पावन पर्व पर स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने एवं आखरी पंक्ति के आखरी व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जोडऩे की मंशा लिये स्थानीय विधायक रीती पाठक द्वारा लोकल फॉर वोकल अभियान को जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में विगत दिवस विधायक बाजार क्षेत्र पहुँच कर स्थानीय महिला व्यापारियों से दीवाली के लिए दिया खरीदकर उनका उत्साहवर्धन किया और जनता जनार्दन से अपील की आइए हम सब मिलकर मोदी के लोकल फॉर वोकल अभियान को मजबूती दें और सफल बनाएं, ताकि स्थानीय लोगों रोजगार मिल सके।

रीती पाठक ने कहा कि लोकल फॉर वोकल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक अभियान है, इसका मकसद स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना और उनका प्रचार करना है। इस अभियान के तहत, लोगों को स्थानीय उत्पादों को खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यह अभियान छोटे से लेकर बड़े उत्पादों तक पर लागू किया गया है। लोकल फॉर वोकल के कई फायदे हैं, इस अभियान से स्थानीय अर्थव्यवस्थाएं मज़बूत होती हैं। इससे उद्यमशीलता को बढ़ावा मिलता है। ग्रामीण इलाकों में कृषि क्षेत्र को भी फिर से मज़बूत करने में मदद मिलती है। स्थानीय उत्पादों के प्रति सकारात्मक धारणा बनती है, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलता है। इससे जिले के हजारो परिवार आर्थिक रूप से मज़बूत होते हैं।

बीजेपी विधायक पर लगे गंभीर आरोप

किसान यूनियन ने विधायक को बताया माफियाओं का संरक्षक

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के ब्लॉक अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र कुमार उर्फ मुन्ना पाण्डेय ने बताया कि मऊगंज क्षेत्र के विधायक प्रदीप पटेल लगातार सुर्खियों में रहने एवं वास्तविक अपराधियों को बचाने हेतु पुलिस पर अनैतिक दबाव डालने हेतु थानों में बैठकर निर्दोशों पर फर्जी मुकदमा लगाने का आन्दोलन धरना प्रर्दशन करते है और शराब का धंधा करने वालों एवं भू-माफियाओं से चोली-दामन की दोस्ती निभाकर मोटी रकम का कमीशन एवं भू-माफियाओं से फ्री में जमीन लेने की सांठ-गांठ करके 100 एकड़ तक की जमीन 06 वर्षों के अन्दर विधायक अपने सम्बन्धियों के नाम करा चुके हैं। जो किसान जमीन नहीं देते उनके ऊपर फर्जी तरीके से प्रकरण मऊगंज थाने में दर्ज कराकर निर्दोष व्यक्तियों का जीना मुश्किल कर रखे हैं। इतना ही नहीं जिन किसानों की भूमि बचाने की लड़ाई किसान अध्यक्ष लड़ते हैं और जमीन बचाने का कार्य करते हैं उसके ऊपर गम्भीर रूप से मार-पीट कराके जीवन भर के लिए विकलांग बना देते हैं। इसका शिकार प्रार्थी स्वयं हो चुका है। पकरा गाँव के ही आपराधिक प्रवृत्ति के लोग जो प्रदीप पटेल विधायक के द्वारा पाले गए हैं, वही गुण्डे 100 एकड़ जमीन के सम्मान मे पेड़ में बांधकर 100 लाठियों के प्रहार से सिर छोड़कर एक आंख को डैमेज करके बांकी नीचे के हिस्सों में जगह-जगह आन्तरिक चोंट पंहुचाए, जिसकी रिपोर्ट मऊगंज थाना में दर्ज कराए, किन्तु साधारण सी धारा जमानत मुचलका की धाराएं लगाकर तत्कालीन टी.आई. अनिल काकड़े जो विधायक का स्वजातीय टी.आई. थे उनके द्वारा आज तक अपराधियों को गिरफ्तार तक नही किया गया, जबकि प्रार्थी आज भी अपनी ज़िन्दगी और मौत से आयुर्वेद डॉक्टर से पांच घन्टे दवा एवं थिरेपी का उपचार करा रहा है। अपराधी अभी भी खुल्ला घूम कर कह रहे हैं कि दुबारा पकरा गाँव आयेगा तो इस बार जान से खत्म कर देना है और एक मात्र पुत्र आकाश उर्फ स्वप्निल पाण्डेय को स्कूल जाना भी बन्द करा दिये हैं कि जब पुत्र को खत्म कर देगें तो मुन्ना पाण्डेय अपने आप मर जाएगा। ऐसे अपराधियों को विधायक मऊगंज पूरा संरक्षण दे रखे हैं। आगें भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के मऊगंज ब्लॉक के अध्यक्ष ने कहा कि उक्त विधायक की पूरे मऊगंज क्षेत्र की नामी-गिरामी जमीनों पर वक्र दृष्टि लगी हुई है। जिस भूमि मे पुलिस कोई मदद नही करती तो पुलिस के सामने दण्डाकार होकर विरोध प्रदर्शन करना विधायक की मनः स्थिति को उजागर करती है।

अध्यक्ष पर दर्ज हुए मामले की पुनः जांच कराने एसपी को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज निप्र। जिले के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हनुमना के ब्लॉक अध्यक्ष नरेंद्र बहादुर सिंह सेगर के खिलाफ हनुमना थाने में चार दिन पूर्व दर्ज हुए मामले की पुनः जांच कराये जाने की मांग करते हुए कांग्रेस पार्टी के मऊगंज जिला अध्यक्ष पद्मेश गौतम सहित कांग्रेस के पदाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक मऊगंज रसना ठाकुर को ज्ञापन सौपा है। ज्ञापन सौंपते हुए मऊगंज जिला अध्यक्ष पद्मेश गौतम एवं युवक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आशुतोष तिवारी ने आरोप लगाया है की मऊगंज जिले में सत्ता पक्ष के दबाव में पुलिस भेदभाव पूर्वक कार्रवाई कर रही है। हमेशा विपक्ष धरना प्रदर्शन पहले भी किया है पर कभी मामला दर्ज नहीं होते थे। मऊगंज में अब पुलिस द्वारा नवाचार शुरू हो गया है।बताया दे की 23 अक्टूबर को कांग्रेस पार्टी द्वारा जनपद पंचायत हनुमना के मैदान में धरना प्रदर्शन किया गया था।जिसमें हनुमना एसडीएम के प्रतिवेदन पर बिना अनुमति के धरना प्रदर्शन करने के आरोप में कार्यक्रम के आयोजन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हनुमना के अध्यक्ष के खिलाफ थाने में मामला दर्ज हुआ है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने कहा है कि धरना प्रदर्शन करने की सूचना एसडीम सहित पुलिस थाने में दी गई थी इसके बाद भी बिना अनुमति के कार्यक्रम करने का आरोप लगाकर कार्यक्रम के आयोजक ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हनुमना के ब्लॉक अध्यक्ष के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जो विपक्ष के मौलिक अधिकारों का खुलेआम हनन किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी विपक्ष का निर्वहन कर रही है और जनता के मुद्दों को लेकर धरना प्रदर्शन करना उनकी आवाज को बुलंद करना विपक्ष का काम है।अभी किसी भी चुनाव की आदर्श आचार संहिता भी लागू नहीं है इसके बाद भी मामला दर्ज किया गया है। इसकी पुनः जांच कराते हुऐ मामले में खत्मा लगाया जाए।

अपराधियों में नहीं पुलिस का डर, बाहरी मजदूर के साथ हुई मारपीट

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। रविवार को रात्रि 9:30 बजे का है जहां ऊंची हवेली स्थित सतगुरु पेट्रोल पंप में डीजल लेने के लिए ओम सिंह पिता बब्बू सिंह उम्र 32 साल निवासी जिला जोधपुर हाल निवास डैनिहा राजस्थान मिष्ठान भंडार में जीव कोपार्जन हेतु मजदूरी का कार्य करता है ओम सिंह द्वारा बताया गया अवनीश त्रिपाठी पूर्व कुल्लू पंडित जो कि पेट्रोल पंप के बगल में शालू हार्डवेयर नाम से दुकान संचालित करता है उसके द्वारा गाली गलौज और मारपीट कर घायल कर दिया गया।

इतना ही नहीं जहां पर इस मजदूर के साथ मारपीट की जा रही थी वहां कई लोग मौजूद थे मगर किसी ने बचाने की कोशिश नहीं की।

भूमि की फर्जी रजिस्ट्री की शिकायत कोतवाली पहुंची

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। शहर के जमोड़ी थाना अंतर्गत पडऱा में स्थित भूमि की फर्जी रजिस्ट्री कराने की शिकायत कोतवाली थाना में लिखित रूप से की गई है। लिखित रिपोर्ट में सुशील कुमार मिश्रा पिता रामविशाल मिश्रा निवासी पडऱा ने कहा है कि उनकी माता रामकली मिश्रा से षडय़ंत्र करते हुए उनके स्थान पर दूसरी महिला को रजिस्टार कार्यालय सीधी में उपस्थित कर फोटोग्राफ व अंगूठे आदि प्रतिरूपण करते हुए छलपूर्वक फर्जी कूटरचित पावर ऑफ एटार्नी ई पंजीकरण संख्या एमपी 418412023ए42399673 पंजीयन 25 सितंबर 2023 की जांच कराना आवश्यक है। उसके आधार पर ही फरियादी के 1/2 हिस्से की भूमि विक्रय की गई है। ऐसे में षडय़ंत्रकर्ताओं के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध कर दंडात्मक कार्यवाही की जावे। पीड़ित सुशील कुमार मिश्रा ने बताया कि उसके पिता रामविशाल मिश्रा एवं माता रामकली मिश्रा संयुक्त कुटुम्ब के सदस्य हैं।

संयुक्त कुटुम्ब में माता-पिता के भूमि स्वामित्व में ग्राम पडऱा में भूमि स्थित है। जिसमें उसका 1/2 हिस्सा है। फर्जीवाड़ा की जानकारी उसे 4 अक्टूबर 2024 को हुई। जिसमें पंकज मिश्रा पिता प्रदीप कुमार मिश्रा द्वारा उसकी माता रामकली मिश्रा के स्थान पर किसी दूसरी महिला को रजिस्टार कार्यालय सीधी में लाकर उसकी मां की वोटर आईडी लगाकर पडऱा स्थित भूमि का फर्जी कूटरचित पावर ऑफ एटार्नी पंकज मिश्रा ने अपने पक्ष में निष्पादित करा लिया। इसी पावर ऑफ एटानी के आधार पर रामकली मिश्रा के स्वामित्व की भूमि नंबर 253 रकवा 0.9380 हे. में से 1/3 भाग अर्थात 0.3126 हे. जिसमें फरियादी का 1/2 हिस्सा है जानते हुए पंकज मिश्रा द्वारा बिक्री कर दिया गया है। हकीकत यह है कि रामकली मिश्रा के द्वारा पंकज मिश्रा के पक्ष में कोई पावर ऑफ एटार्नी का निष्पादन व पंजीयन नहीं कराया गया है और न ही वे पंजीयक कार्यालय में उपस्थित हुईं।

विचार

ममता के प्रति जो धारणा बदल रही

पश्चिम बंगाल में इतिहास अपने को दोहराता लग रहा है। एक बाद एक हो रही भयावह घटनाएं और राज्य के अलग अलग हिस्सों में स्वंयस्फूर्त हो रहे जन आंदोलन 2011 से पहले के समय की याद दिला रहे हैं। पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासन के पांव उखडऩे से पहले राज्य के हालात ऐसे ही थे। एक तो ममता बनर्जी ने मुख्य विपक्ष के नाते सरकार की नाक में दम किया हुआ था। नंदीग्राम में केमिकल हब बनाने के लिए भूमि अधिग्रहण और सिंगूर में टाटा की नैनो कार के प्रोजेक्ट के लिए जमीन अधिग्रहण के खिलाफ ममता ने इतना बड़ा आंदोलन खड़ा कर दिया कि साढ़े तीन दशक से सत्ता में बैठा वाम मोर्चा इसे संभाल नहीं सका। नंदीग्राम में 2007 में जो आंदोलन शुरू हुआ उसकी अंत परिणति 2011 में वाम शासन के अंत और ममता बनर्जी की ताजपोशी के रूप में हुई। अब 2026 के विधानसभा चुनाव से दो साल पहले से ठीक वैसे ही हालात बन रहे हैं, जैसे 2007 में थे। ममता बनर्जी के खिलाफ बात बात पर आंदोलन भड़क जा रहा है। फर्क इतना है कि इस बार ममता बनर्जी के सामने उनकी तरह का कोई फायरब्रांड विपक्षी नेता नहीं है। भाजपा मुख्य विपक्षी पार्टी है लेकिन उसके पास कोई चेहरा नहीं है। वह तृणमूल कांग्रेस से उधार पर लाए शुभेंदु अधिकारी के दम पर ममता बनर्जी से नहीं लड़ सकती है। भाजपा इस बात को समझ रही है तभी उसने कोई चेहरा आगे नहीं किया है और न यह दिखा रही है कि ममता सरकार के खिलाफ अलग अलग जगहों पर हो रहे आंदोलन के पीछे उसका कोई हाथ है। कई जगह सचमुच भाजपा का हाथ नहीं भी है। लोग खुद से आंदोलित हो रहे हैं और हर छोटा बड़ा प्रदर्शन अंत में सरकार विरोधी बड़े आंदोलन में तब्दील हो रहा है। सबसे अहम बात यह है कि मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की नेता के तौर पर ममता बनर्जी धारणा की लड़ाई हार रही हैं। वे नैरटिव लूज कर रही हैं। उन्होंने मां, माटी मानुष' का जो नैरेटिव गढ़ा था वह उनके हाथ से फिसल रहा है। महिलाएं उनकी सरकार से नाराज हैं और उनको कठघरे में खड़ा कर रही हैं। आरजी कर अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ बलात्कार और जघन्य हत्या की घटना के बाद ममता के प्रशासन ने जिस तरह से काम किया उससे ममता के दामन पर बहुत गहरे दाग लगे हैं। उनकी साधारण सफेद सूती साड़ी महिलाओं को भरोसा जगाती थी वह अब नहीं हो रहा है। कोलकाता के जूनियर डॉक्टरों ने 42 दिन तक हड़ताल की और इस दौरान डॉक्टरों से इतर सामान्य महिलाओं ने भी बड़ी तादाद में आकर उनका समर्थन किया। फिर जूनियर डॉक्टर भूख हड़ताल पर बैठे और उनको व्यापक समाज का समर्थन मिला। वे इस बात से आहत हैं कि अस्पतालों में उनके ऊपर बेवजह हमले होते हैं और सरकार कुछ नहीं करती है। वे राज्य में धमकी देने की संस्कृति का समापन चाहते हैं और इसमें भी सरकार कुछ नहीं कर रही है।ममता बनर्जी की सरकार के बारे में यह धारणा बन रही है कि उसने महिला की अस्मिता और जान के ऊपर अपनी सरकार की छवि को प्रमुखता दी और इसलिए छवि बचाने के लिए ममता की पुलिस ने पीड़ित डॉक्टर के परिजनों को पैसे का ऑफर दिया था। अभी इस घटना का विरोध बंद भी नहीं हुआ था कि दक्षिण 24 परगना के कृपाखाली इलाके में एक 10 वर्षीय बच्ची का शव मिला, जिसके परिजनों का कहना है कि उसके साथ बलात्कार किया गया और उसके बाद बहुत बेरहमी से हाथ पांव तोड़ कर उसको मार डाला गया। लड़की के लापता होने की शिकायत जब थाने में की गई तो पुलिस वालों ने कोई नोटिस नहीं लिया और बच्ची को तलाशने का कोई प्रयास नहीं किया। तभी उसका शव मिलने के बाद लोगों का गुस्सा भड़का और उन्होंने थाने में आग लगा दी। उससे पहले तोडफ़ोड़ की और पुलिस वालों पर हमला किया। पुलिस वालों को भाग कर जान बचानी पड़ी। लोगों ने तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय विधायक को भी खदेड़ कर भगा दिया। लोगों ने इस घटना की तुलना आरजी कर अस्पताल की घटना से की और कहा कि दोनों मामलों में ममता बनर्जी की पुलिस का रवैया एक जैसा था। इससे पहले संदेशखाली में जो हुआ वह भी सबको पता है। तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता शाहजहां शेख की ज्यादतियों के खिलाफ लोग एकजुट हुए और उन्होंने सड़क पर उतर कर आंदोलन किया। उस मामले में भी ममता बनर्जी की पुलिस ने आरोपी को बचाने का प्रयास किया। संदेशखाली, कोलकाता और दक्षिण 24 परगना के कृपाखाली की तीन घटनाएं ममता सरकार के बारे में बन रही नकारात्मक धारणा का मुख्य कारण बनी हैं। वैसे और भी कारण होंगे।

धनतेरस से प्रारंभ होता है दीपावली पर्व

रमेश सर्राफ धमोरा

दीपावली का प्रारभ धनतेरस से हो जाता है। धनतेरस पूजा को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के दिन नई वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। धनतेरस का त्योहार दीपावली पर्व के पहले दिन को दर्शाता करता है। यह त्योहार लोगों के जीवन में समृद्धि और स्वास्थ्य लाने के लिए माना जाता है और इसलिए इसे बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सभव न हो तो कोई बर्तन खरीदे। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में सन्तोष रूपी धन का वास होता है।

धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है। वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है। इस दिन घरों को लीप-पोतकर, चैक, रंगोली बना सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाहन किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन खरीदना शुभ माना गया है। धनतेरस को चांदी के बर्तन खरीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावली, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दौरान अपने घर में 13 दीये जलाना चाहिए और अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर एक दीया तुलसी महारानी के लिए एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग-अलग कोने में रख देने चाहिए। माना जाता है कि यह 13 दीये नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माओं से रक्षा करते हैं। धनतेरस का दिन धन्वन्तरी त्रयोदशी या धन्वन्तरि जयन्ती भी होती है। धनतेरस को आयुर्वेद के देवता का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गणेश लक्ष्मी घर लाएं जाते है। इस दिन लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ-साथ यमराज की भी पूजा की जाती है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा दिन में नहीं की जाती अपितु रात्रि होते समय यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है। धनतेरस के दिन यमराज को प्रसन्न करने के लिए यमुना स्नान भी किया जाता है अथवा यदि यमुना स्नान सम्भव न हो तो स्नान करते समय यमुना जी का स्मारण मात्र कर लेने से भी यमराज प्रसन्न होते हैं। हिन्दु धर्म की ऐसी मान्यता है कि यमराज और देवी यमुना दोनों ही सूर्य की सन्ताने होने से आपस में भाई-बहिन हैं और दोनों में बड़ा प्रेम है। इसलिए यमराज यमुना का स्नान करके दीपदान करने वालों से बहुत ही ज्यादा प्रसन्न होते और उन्हें अकाल मृत्यु के दोष से मुक्त कर देते है। धनतेरस के दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता हैं। इस दीप को यमदीवा अर्थात यमराज का दीपक कहा जाता है। रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर नई रूई की बत्ती बनाकर, चार बत्तियां जलाती हैं। दीपक की बत्ती दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए। जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर स्त्रियां यम का पूजन करती हैं। चूंकि यह दीपक मृत्यु के नियन्त्रक देव यमराज के निमित्त जलाया जाता है, अतः दीप जलाते समय पूर्ण श्रद्धा से उन्हें नमन तो करें। साथ ही यह भी प्रार्थना करें कि वे आपके परिवार पर दया दृष्टि बनाए रखें और किसी की अकाल मृत्यु न हो। धनतेरस की शाम घर के बाहर मुख्य द्वार पर और आंगन में दीप जलाने की प्रथा भी है। धनतेरस को मृत्यु के देवता यमराज जी की पूजा करने के लिए संध्या के समय एक वेदी (पाट्टा) पर रोली से स्वास्तिक बनाइये। उस स्वास्तिक पर एक दीपक रखकर उसे प्रज्वलित करें और उसमें एक छिद्रयुक्त कोड़ी डाल दें। अब इस दीपक के चारों ओर तीन बार गंगा जल छिडकें। दीपक को रोली से तिलक लगाकर अक्षत और मिष्ठान आदि चढाएं। इसके बाद इसमें कुछ दक्षिणा आदि रख दीजिए जिसे बाद में किसी ब्राह्मण को दे देवें। अब दीपक पर कुछ पुष्पादि अर्पण करें। इसके बाद हाथ जोडकर दीपक को प्रणाम करें और परिवार के प्रत्येक सदस्य को तिलक लगाएं। अब इस दीपक को अपने मुख्य द्वार के दाहिनी और रख दीजिए। यम पूजन करने के बाद अन्त में धनवंतरी पूजा करें। इस प्रथा के पीछे एक लोक कथा है। कथा के अनुसार किसी समय में एक राजा थे जिनका नाम हेम था। दैव कृपा से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब बालक की कुण्डली बनाई तो पता चला कि बालक का विवाह जिस दिन होगा उसके ठीक चार दिन के बाद वह मृत्यु को प्राप्त होगा। राजा इस बात को जानकर बहुत दुखी हुआ और उन्होने राजकुमार को ऐसी जगह पर भेज दिया जहां किसी स्त्री की परछाई भी न पड़े। दैवयोग से एक दिन एक राजकुमारी उधर से गुजरी और दोनों एक दूसरे को देखकर मोहित हो गये और उन्होंने गन्धर्व विवाह कर लिया।

विवाह के पश्चात विधि का विधान सामने आया और विवाह के चार दिन बाद यमदूत उस राजकुमार के प्राण लेने आ पहुंचे। जब यमदूत राजकुमार प्राण ले जा रहे थे उस वक्त उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर उनका हृदय भी द्रवित हो उठा। परन्तु विधि के अनुसार उन्हें अपना कार्य करना पड़ा। यमराज को जब यमदूत यह कह रहे थे उसी वक्त उनमें से एक ने यमदेवता से विनती की। हे यमराज क्या कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे मनुष्य अकाल मृत्यु के लेख से मुक्त हो जाए। दूत के इस प्रकार अनुरोध करने से यमदेवता बोले हे दूत अकाल मृत्यु तो कर्म की गति है। इससे मुक्ति का एक आसान तरीका मैं तुम्हें बताता हूं सो सुनो। कार्तिक कृष्ण पक्ष की रात जो प्राणी मेरे नाम से पूजन करके दीप माला दक्षिण दिशा की ओर भेट करता है। उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। यही कारण है कि लोग इस दिन घर से बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीप जलाकर रखते हैं।

चूंकि यह समृद्धि का त्योहार है, इसलिए लोग अपने घरों को भी साफ करते हैं, उन्हें एक नया रंग देते हैं और कई तरह से सजाते हैं। धनतेरस हर किसी को समृद्ध और अच्छे स्वास्थ्य का एहसास कराता है। दीपावाली धन से ज्यादा स्वास्थ्य और पर्यावरण पर आधारित त्योहार है। दीपावली एक ऐसा त्योहार है जिसके अपने पर्यावरणीय निहितार्थ है। मौसम मे बदलाव और दीपपर्व मे घनिष्ठ सम्बन्ध है। इसे समझते हुए कृपया दीपावली पर पर्यावरण को नुकसान पहुचाने वाली गतिविधिया ना करे।

आत्म-मंथन का विषय

हर सेवा से पैसा कमाने का चलन अब मरीज की मजबूरी से फायदा उठाने तक पहुंच गया है। मांग एवं सप्लाई के सिद्धांत यहां भी लागू होना समाज की कैसी सूरत को जाहिर करता है, यह हम सबके लिए आत्म-मंथन का विषय है। तो अब यह चलन इलाज में पहुंच गया। बड़े प्राइवेट अस्पताल अब सर्जरी या बेड की प्राथमिकता मरीजों की जरूरत के हिसाब से नहीं, बल्कि इस हिसाब से तय कर रहे हैं कि उनमें से कौन ज्यादा पैसा देगा। मतलब यह कि अस्पताल में पहले से ज्यादा मरीज भर्ती हों, तो नए मरीज को इलाज के लिए ज्यादा पैसा देना पड़ेगा। ठीक उसी तरह जैसे विमान या ट्रेन यात्रा में देना पड़ता है। जैसे-जैसे यात्रियों की संख्या बढ़ती है, टिकट महंगे होते जाते हैं। यही तरीका अब अनेक अस्पताल अपना रहे हैं।

इस बारे में आई छपी एक विस्तृत रिपोर्ट के मुताबिक हेल्थ सेक्टर में यह नया चलन देखने को मिल रहा है। इससे मरीजों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। मरीजों के साथ-साथ मेडिकल बीमा कंपनियों को बढ़ी हुई लागत उठानी पड़ रही है। खबर है कि बीमा कंपनियां इस सूरत को ध्यान में रख कर पॉलिसी प्रीमियम बढ़ाने जा रही हैं। बीमा कंपनियों के मुताबिक इलाज का खर्च साल-दर-साल बढ़ रहा है। इलाज खर्च सामान्य महंगाई की दर के मुकाबले 14 फीसदी से ज्यादा बढ़ा है। वैसे में अस्पताल सर्ज प्राइस के ताजा नियम से इलाज और महंगा बना रहे हैं। नए नियम के कारण इलाज खर्च में करीब 20 फीसदी की तेजी आई है। यहां तक कि अब रुटीन इलाज में भी अस्पताल नया नियम लागू करने लगे हैं। यानी इनमें भी पीक चार्ज लागू हो रहा है। जानकारों के मुताबिक अस्पतालों ने सिर्फ सर्ज प्राइस का नया नियम ही लागू नहीं किया है। बल्कि वे कई नए तरीके अपना रहे हैं, जिससे इलाज महंगा होता रहा है।

वैश्विक शांति, स्थिरता और प्रगति के लिए भी महत्वपूर्ण है भारत चीन की पहल

24 अक्टूबर को नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत और चीन दोनों देश समान और पारस्परिक सुरक्षा के सिद्धांतों के आधार पर जमीनी स्थिति बहाल करने के लिए आम सहमति पर पहुंच गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इसमें पारंपरिक क्षेत्रों में गश्त और चराई की बहाली शामिल है। रक्षा मंत्री ने संबंधों में प्रगति का श्रेय निरंतर बातचीत में संलग्न होने की शक्ति को दिया, क्योंकि जल्द या बाद में, समाधान निकलेगा।

बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की और पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गश्त व्यवस्था पर दोनों देशों के बीच हुए समझौते का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखना दोनों देशों की प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए और आपसी विश्वास द्विपक्षीय संबंधों का आधार बना रहना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-चीन संबंध न केवल दोनों देशों के लोगों के लिए बल्कि वैश्विक शांति, स्थिरता और प्रगति के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। वहीं विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने 22 अक्टूबर को नई दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने चीन के साथ गश्त व्यवस्था पर एक समझौता किया है, जिससे वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति मई 2020 से पहले जैसी हो जाएगी।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (स्र्ष्ट) पर पेट्रोलिंग (गश्त) को लेकर हुए समझौता का श्रेय भारतीय सेना और कूटनीति को दिया। पूर्वी लद्दाख में देपसांग और डेमचोक क्षेत्रों में दोनों देशों की सेनाओं के बीच शुक्रवार को डिसएंगेजमेंट (सैनिक वापसी) की प्रक्रिया शुरू हुई, जो 29 अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी। इसके बाद 30-31 अक्टूबर से गश्त फिर से शुरू की जाएगी।

पुणे में छात्रों के साथ संवाद करते हुए जयशंकर ने कहा कि संबंधों के सामान्य होने में अभी समय लगेगा, क्योंकि विश्वास और सहयोग को दोबारा स्थापित करना लंबी प्रक्रिया है। विदेश मंत्री ने बताया कि हाल ही में रूस के कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक में यह निर्णय लिया गया कि दोनों देशों के विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बैठक करेंगे और आगे की रणनीति पर विचार करेंगे।

जयशंकर ने कहा, अगर आज हम उस मुकाम पर पहुंचे हैं, जहां हम हैं...तो इसका एक कारण यह है कि हमने अपनी जमीन पर डटे रहने और अपनी बात रखने के लिए बहुत दृढ़ प्रयास किया। सेना देश की रक्षा के लिए बहुत ही अकल्पनीय परिस्थितियों में (एलएसी पर) मौजूद थी, और सेना ने अपना काम किया और कूटनीति ने अपना काम किया। उन्होंने यह भी बताया कि भारत अब पिछले एक दशक की तुलना में पांच गुना अधिक संसाधन लगा रहा है, जिससे सेना को प्रभावी ढंग से तैनात किया जा सका है।

ओआरएफ में फेलो और चीन मामलों के जानकार कल्पित मणकिकर कहते हैं कि %ऐसा एक लंबी प्रक्रिया के तहत होता है। दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और दोनों देशों के विदेश मंत्री लगातार मुलाकात करते आ रहे हैं। पिछले चार सालों से बॉर्डर मुद्दों को सुलझाने को लेकर कोशिशें लगातार हो रही है। सेना के कमांडर स्तर पर बातें अलग से होती रही हैं। भारत और चीन दोनों की ओर से इस तरह की कोशिशें की जा रही थी। हालांकि अब जो दिख रहा है, उसके मद्देनजर इस तरह की कोशिशें क्या दिशा लेंगी, इसे लेकर अभी वेट एंड वॉच की स्थिति में ही रहा जा सकता है।

2020 की झड़प के बाद से दोनों देश सीमा पर बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, जिसे वास्तविक नियंत्रण रेखा के रूप में भी जाना जाता है। भारत द्वारा उच्च ऊंचाई वाले हवाई अड्डे तक एक नई सड़क का निर्माण चीनी सैनिकों के साथ 2020 में होने वाली घातक झड़प के मुख्य कारणों में से एक माना जा रहा है। अच्छा यह है कि दोनों देश मई 2020 की यथास्थिति पर वापस लौटने पर सहमत ही नही हुए, इस प्रक्रिया के लिए कार्य भी शुरू हो गया।

सीमा विवाद के चार साल के दौरान समाचार आए की चीन सीमा पर नए हवाई अड्डे-सैनिक छावनी उनके लिए बंकर बना रहा है। अपने सीमा से सटे क्षेत्र में गांव विकसित कर रहा है। भारतीय क्षेत्र के स्थानों क नाम बदल रहा है। हालांकि विवाद की अवधि में भारत ने भी सीमा पर सुरक्षा ढांचा विकसित किया है। नए एयरबेस तैयार कर रहा है। ठंडे स्थानों में रहने के लिए सैनिकों को प्रशिक्षित करने के साथ ही उनके लिए बर्फ के दौरान भी रहने के लिए सौलर से गर्म करने वाले उनके टैंट बना रहा है। इस प्रक्रिया को भारत का और तेज करना होगा। सीमा रेखा के सटाकर गांव विकसित करने होंगे तोकि चीन की गतिविधि पर नजर रखी जा सके। एक तरह से चीन की प्रत्येक कार्रवाई का उत्तर उसके कदम ही से आगे बढकर देना होगा।

एक बात और सेना की वापसी के बावजूद सीमा क्षेत्र का विकास कार्य अनवरत चलता रहना चाहिए। सीमा पर विकास कार्य लगातार चलाए रखने होंगे। सीमा तक सेना के अवागमन को सरल करने की प्रक्रिया चलती रहनी चाहिए। सीमा क्षेत्र में सूचना तंत्र विकसित करने का कार्य लगातार चलना चाहिए। सीमा क्षेत्र के गांव वालों को इसके लिए शिक्षित किया जाना चाहिए कि वे दुश्मन देश की गतिविधि पर नजर रखें। अपने क्षेत्र में तैनात अधिकारियों और सेना को छोटी-बड़ी सब सूचना दें।

पुलिस भेष बदलकर 4 महीने इंदौर में रही

किराए पर मकान लेने आरोपी के घर पहुंची, चोरी-डकैती की 50 लाख का सोना-चांदी बरामद

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। छत्तीसगढ़ की दुर्ग पुलिस चोर को पकड़ने के लिए 4 महीने तक मध्यप्रदेश के इंदौर में भेष बदलकर रही। किराए का मकान लेने के बहाने पुलिस आरोपी के घर तक पहुंची, लेकिन उसे भनक लगने ही वो भाग निकला। हालांकि, सोना खरीदार का मिडिएटर पकड़ा गया। इससे पहले भी 2 लोगों की गिरफ्तारी हुई थी।

दरअसल, दुर्ग के रसमड़ा में हुई 60 लाख से अधिक की डकैती और एनएसएपीसीएल कॉलोनी में चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। एसपी जितेंद्र शुक्ला ने बताया कि, पिछले 7 से 8 जून की रात आरोपियों ने एनएसपीसीएल कॉलोनी में चोरी की। इसी गिरोह ने अंजोरा चौकी के रसमड़ा निवासी दिलीप टिंबर के यहां भी डकैती की थी।

एसआईटी का किया था गठन: एसपी ने एसआईटी का गठन किया। जब मामले की जांच की तो उन्हें पता चला कि, दोनों वारदातों को एक ही गिरोह ने अंजाम दिया है। जो मध्यप्रदेश के धार जिले से हैं। जिसके बाद एक टीम को धार, झाबुआ और अलीराजपुर जिले में कैंप कराया गया। तब डकैती करने वालों का एक गिरोह का सुराग मिला। इनका माल व्यापारी कपिल जैन खरीदता है।

गिरोह में ये आरोपी हैं शामिल: पुलिस को पता चला कि, इस पूरे गिरोह में दीपक सेंगर, अनिल चौहान, अनिल बघेल और गणपत डावर जैसे लोग शामिल हैं। दुर्ग में चोरी और डकैती से काफी सोने-चांदी के गहने मिले थे। इसे आशीष पटलिया ने कपिल जैन को बेचा था।

पुलिस ने जब कपिल और आशीष के बारे में जानकारी जुटाई, तो पता चला कि आशीष गुरू-नानक कॉलोनी राजाबाग इंदौर में छुपकर रह रहा है। एसपी ने क्राइम डीएसपी हेम प्रकाश नायक को एसीसीयू की टीम के साथ वहां भेजा। नायक और उनकी टीम आशीष के घर तक पहुंची।

आशीष भागा, राजेंद्र पकड़ाया: आरोपियों से पुलिस ने कहा कि, यहां एक मेला लगने वाला है। जिसमें वो भी आएंगे। इसलिए एक महीने के लिए किराए से मकान चाहिए। इससे पहले की पुलिस आशीष को पकड़ पाती वो भाग गया। लेकिन उसका साथी राजेंद्र कटार को पुलिस ने धर दबोचा।

आशीष की पुलिस वालों और थाने में है अच्छी सेटिंग: दुर्ग एसपी जितेंद्र शुक्ला ने बताया कि, आशीष पटलिया की इंदौर के थानों और पुलिस वालों से अच्छी पकड़ है। दुर्ग पुलिस उसके बारे में थाने पूछताछ करने पहुंची थी। किसी ने टीम के लोगों की फोटो खींचकर आशीष को भेज दिया और बता दिया कि दुर्ग पुलिस उन लोगों को खोज रही है। इसलिए टीम के घर पहुंचते ही आशीष उन्हें पहचान गया और धोखा देकर भाग गया।

राजेंद्र ने बताया कि किस तरह चलता है सिंडिकेट: पूछताछ में राजेंद्र कटार ने पुलिस ने को बताया कि, आशीष पाटलिया कपिल जैन का एजेंट है। वो उसी के लिए काम करता है। भंगुडावर, जगदीश मोहनिया, भूरसिंह दीपक सेंगर, अनिल चौहान, अनिल बघेल, गणपत डावर और बाकी लोगों के साथ मिलकर चोरी और डकैती करते हैं।

इसके बाद सोने-चांदी के जेवरों को कपिल जैन तक पहुंचाया जाता है। कपिल के कहने पर गहनों को गलाकर उसकी सिल्ली बनाई जाती थी। आरोपी राजेंद्र की निशानदेही पर पुलिस ने आशीष पटलिया के छुपने वाले संभावित ठिकाने पर छापेमारी की। इस दौरान टीम धार के अमझेरा गांव भी पहुंची। लेकिन आरोपी वहां से भाग गया था।

50 लाख से अधिक का सोना चांदी जब्त: पुलिस ने एनएसपीसीएल और रसमड़ा डकैती में गए सोने और चांदी की लगभग पूरी रिकवरी कर ली है। पुलिस ने आरोपी राजेंद्र कटार के कब्जे से लगभग 50 लाख का सोना और चांदी के आबूषण और सिल्ली जब्त किया है। इसमें 600 ग्राम सोने के सिल्ली और 340 ग्राम चांदी शामिल है।

सीबीएसई के मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित विद्यालय दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में एकता

सद्भावना एवं प्रकाश का पर्व दीपावली धूमधाम से मनाया गया

मीडिया ऑडीटर, मनेन्द्रगढ़ निप्र। कार्यक्रम की शुरुआत विशेष प्रातः सभा द्वारा की गई जो कि कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों द्वारा संचालित की गई थी, इस विशेष सभा में कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने दीपावली की महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की तत्पश्चात् संस्था के प्राचार्य डॉ बसंत कुमार तिवारी ने विशेष सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दीपावली का पर्व न केवल आपसी प्रेम, सद्भावना एवम् भाईचारे को प्रदर्शित करता है अपितु हमें यह भी सिखाता है कि किस प्रकार हमें जीवन में संयम तथा उदारता का परिचय देते हुए एकजुटता बनाए रखना चाहिए, दीपावली का हर दीया सकारात्मकता का प्रतीक है जो कि जीवन के हर क्षण को प्रकाश और ऊर्जा से भर देता है।

डॉक्टर तिवारी ने विद्यालय को शुभकामना संदेश प्रेषित करते हुए कहा कि हमें यह त्यौहार मनाने के लिए पर्यावरण अनुकूल तरीकों का प्रयोग करते हुए जागरूकता का परिचय देना चाहिए जिन में पारंपरिक प्रथाओं से आगे बढ़कर हानिकारक पर्यावरणीय प्रभावों को कम करना, बिजली की खपत को कम करते हुए पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों जैसे मिट्टी के दीए का प्रयोग, आतिशबाजी जो कम प्रदूषण और शोर पैदा करें तथा प्राकृतिक और बायोडिग्रेडेबल सामग्री का प्रयोग शामिल है करते हुए पर्यावरण संरक्षण के साथ अधिक सामंजस्य पूर्ण तरीकों को बढ़ाना है तथा पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखकर दीपावली मनाना चाहिए।

इसी क्रम में कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के चारों सदनो के विद्यार्थी प्रतिभागी थे इस प्रतियोगिता में कक्षा पहली से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने रंगोली बनाई, प्री - प्राइमरी के छात्र -छात्राओं ने भी अपने शिक्षिकाओं की उपस्थिति में रंगोली बनाई एवम् छोटे पटाखे जलाए, सम्पूर्ण कार्यक्रम के मध्य में सभी विद्यार्थियों ने कक्षावार समूह भोज का भी आनंद लिया कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की निदेशिका पूनम सिंह ने सभी विद्यार्थियों को शुभ, सुरक्षित एवम् पर्यावरण अनुकूल दीवाली की शुभकामनाएं प्रेषित की।

देवरानी से झगड़े के बाद सामूहिक सुसाइड का प्रयास, 2 बच्चों को जहर देकर खुद भी पीया

मीडिया ऑडीटर, बालोद एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बालोद में एक महिला ने अपने 2 बच्चों को जहरीला पदार्थ पिला दिया। फिर खुद भी पीकर खुदकुशी का प्रयास किया। तीनों को गंभीर हालत में राजनांदगांव से रायपुर रेफर किया गया है। मामला अर्जुंदा थाना क्षेत्र के कुरदी गांव का है। बताया जा रहा है कि देवरानी से झगड़े के बाद महिला ने अपने बच्चों और खुद को मारने की कोशिश की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि महिला की स्थिति में सुधार होने पर ही बयान के बाद बातें स्पष्ट हो सकेगी।

गुस्से में बच्चों को भी पिलाया जहर: जानकारी के मुताबिक, घर में देवरानी और जेठानी के बच्चों में झगड़ा हो रहा था। बात बड़ों तक पहुंची तो जेठानी डुमेश्वरी साहू और देवरानी का भी विवाद हो गया।

युवक को 3 दोस्तों ने अगवा कर पीट-पीटकर मार डाला

परिजन बोले- घर से उठाकर ले गए थे, बेहोशी की हालत में फेंका

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक युवक को उसके तीन दोस्तों ने अगवा कर पीट-पीटकर मार डाला। युवक दो दिन से लापता था। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे तभी पुलिस को विनोबा नगर गायत्री मंदिर के पास बेहोशी की हालत में मिला, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि, उसे बेरहमी से पीटा गया और अधमरा कर फेंक दिया गया। दरअसल, तारबाहर थाना क्षेत्र के तोरवा निवासी राजू सिंह मानसिक रूप से अस्वस्थ्य है। उसका बेटा हरिओम सिंह (24) फाइनेंस का काम करता था। तोरवा के ही इंद्रजीत यादव, श्रेयांश राजपूत और एक अन्य दोस्त के साथ उसका पैसे के लेनदेन को लेकर विवाद था।

घर से उठा ले गए थे युवक: परिजनों ने बताया कि, पिछले 24 अक्टूबर की दोपहर तीनों दोस्त उसे खोजते हुए घर आए थे, जिसके बाद रात में वो हरिओम को अपने साथ जबरदस्ती लेकर चले गए। देर रात हरिओम के मोबाइल पर परिजनों की बात हुई, तब वो लोग उसकी बेरहमी से पिटाई कर रहे थे। परिजनों ने उन्हें मारपीट करने से मना भी किया था। दूसरे दिन बेहोशी की हालत में मिला तो पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया था, तब उसे लावारिस समझ रही थी। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों के पहुंचने पर उसकी पहचान हुई।

बेरहमी से पिटाई, अधमरा छोड़कर भागे बदमाश: परिजन का आरोप है कि, इंद्रजीत, श्रेयांश और उसके दोस्त मिलकर उसे सकरी ले गए थे, जहां रात भर उन्होंने हरिओम की बेरहमी से पिटाई की। 25 अक्टूबर की सुबह से परिजन हरिओम की तलाश कर रहे थे। इस दौरान उनका हरिओम से संपर्क नहीं हो सका। तब शाम को उन्होंने श्रेयांश से संपर्क किया। इस पर श्रेयांश ने बताया कि उसके साथ मारपीट कर हम लोग छोड़ दिए थे। अब उन्हें उसकी जानकारी नहीं है। परिजन का आरोप है कि, इंद्रजीत, श्रेयांश और उसके दोस्तों ने उसकी जमकर पिटाई कर उसे अधमरा कर छोड़ दिया था।

अस्पताल स्टाफ को बताई आप बीती, पुलिस ने बरती लापरवाही: परिजनों का आरोप है कि, पुलिस ने हत्या को हादसा मानकर ध्यान नहीं दिया। पुलिसकर्मी उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराकर लौट गए। इस दौरान हरिओम ने अस्पताल के कर्मचारियों को आपबीती बताई और पिटाई की जानकारी दी थी। पुलिस ने लाश का लावारिस मानकर लाश अस्पताल में शिफ्ट करा दिया। परिजन का आरोप है कि, इंद्रजीत यादव, श्रेयांश और उसके साथियों ने मिलकर हत्या की है। अब उन्हें न्याय चाहिए। उन्होंने हत्या का केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है।

ब्याज पर पैसे देता था हरिओम: बताया जा रहा है कि, हरिओम ब्याज पर पैसे देता था, उससे इंद्रजीत, श्रेयांश ने करीब 8 लाख रुपए उधार में लिए थे। इसी बात को लेकर हरिओम सिंह, इंद्रजीत और श्रेयांश का विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते अपहरण कर उसकी हत्या की गई है।

नहर में डूबने से महिला की मौत

बच्चों को बचाने लगाई छलांग, एक किलोमीटर दूर मिला शव, दोनों बच्चे अब भी लापता

मीडिया ऑडीटर, कोरबा एजेंसी। कोरबा में अपने डूबते हुए दो बच्चों को बचाने के लिए एक मां ने नहर में छलांग लगा दी है। घटना में मां की मौत हो गई, वहीं दोनों बच्चों की तलाश जारी है। मामला सीएसईबी चौकी क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक राताखार जोड़ा पुल के पास मौजूद नहर में मैगजीन भाटा की रहने वाली सुषमा मानिकपुरी अपने दो बच्चों के साथ पहुंची थीं।

यहां सुषमा कपड़े धोने में व्यस्त हो गई। इसी बीच उनकी बड़ी बेटी सिमरन (14साल) और बेटा प्रतीक (8 साल) नहर में नहाने उतर गए। लेकिन दोनों पानी के तेज बहाव में फंस गए। सुषमा ने जब ये देखा तो दोनों बच्चों को बचाने के लिए उन्होंने भी नहर में छलांग लगा दी।

मां की मौत, दोनों बच्चों की तलाश जारी: चश्मदीद अरविंद कुमार ने बताया कि सुषमा की चीख सुनकर वो और उनके एक साथी भी तीनों को बचाने के लिए नहर में उतर गए।

करीब एक किलोमीटर दूर जाकर सुषमा को पानी से बाहर निकाला। लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। वहीं दोनों बच्चों को कोई पता नहीं चला।

गोताखोरों की टीम कर रही बच्चों की तलाश: घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने इसके बाद पूरे मामले की जानकारी 112 में दी। 108 एंबुलेंस को भी मौके पर बुलाया गया।सीएसईबी चौकी प्रभारी भी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जिसके बाद नगर सेना की गोताखोर टीम को भी बुलाया गयााई। फिलहाल गोताखोरों की टीम दोनों बच्चों की तलाश में जुटी हुई है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने महिलाओं से की बदसलूकी

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने किया हंगामा, रात में काम कराने और कम वेतन देने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ अभद्र व्यवहार किया। जिससे नाराज महिलाओं ने रात में कार्यालय के सामने हंगामा किया। महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया है कि, उन्हें रात में प्रशिक्षण और काम दिया जा रहा था। उन्होंने कहा कि, वे इस मामले की शिकायत कलेक्टर से करेंगी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का कहना है कि, उन्हें आयुष्मान कार्ड बनाने का अतिरिक्त काम दिया जा रहा है। जिसकी वजह से स्वास्थ्य विभाग ने उन्हें रात में प्रशिक्षण के लिए बुलाया है। आरोप है कि दिनभर काम करने के बाद रात में भी प्रशिक्षण लेने जाना पड़ता है। जिससे उनके घरेलू काम प्रभावित हो रहा है।

इसके साथ ही क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों के कारण रात में बाहर जाने में भी उन्हें डर लग रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बताया कि, उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की ओर से मिलाकर मात्र 10 हजार का वेतन दिया जाता है, जबकि काम की मात्रा कई गुना अधिक है।

अलग-अलग विभागों का काम करा रहे अफसर, डबल ड्यूटी से भी परेशानी: प्रदर्शन के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका संघ की जिला अध्यक्ष भारती मिश्रा ने कहा कि, हम आयुष्मान कार्ड बनाने का काम नहीं कर सकते। क्योंकि डबल ड्यूटी होने से समस्याएं हो रही हैं। इसके साथ ही उन्हें दूसरे विभागों का भी काम करने के लिए दबाव बनाया जाता है।

इस पर जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेश सिंह ने कहा कि, मैं झुकूंगा नहीं, बल्कि मुझे झुकाना आता है। उनके इस बयान से महिलाएं और भी नाराज हो गईं। अन्य विभागों की महिलाओं ने भी सुरेश सिंह के व्यवहार का विरोध किया और आंदोलन को समर्थन दिया।

परियोजना अधिकारी बोले- बातचीत कर समस्या का करेंगे हल: इधर, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेश सिंह का कहना है कि, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जो बिलासपुर शहरी परियोजना में काम करती हैं, उन्हें स्वास्थ्य विभाग के तहत काम करने के लिए अंतिम प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उनकी कुछ समस्याएं थी, जिसके कारण बातचीत करने आई थीं। उन्होंने महिलाओं से कोई दुर्व्यवहार और अभद्रता नहीं की है। उनकी समस्या को बैठकर दूर कर लिया जाएगा।

आरक्षक ने विधवा से किया दुष्कर्म शादी का झांसा देकर बनाता रहा संबंध

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में आरक्षक पर विधवा महिला से दुष्कर्म का आरोप है। पीड़िता की शिकायत के बाद मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। घटना भुपदेवपुर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक भूपदेवपुर थाना क्षेत्र में पदस्थ आरक्षक विजय कुमार पटेल (30) गांव की 36 वर्षीय विधवा महिला के साथ परिचय बनाया और इसी दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गया।

इसके बाद वह शादी का झांसा देकर 4-5 महीने से उसके साथ दुष्कर्म कर रहा था। महिला बार-बार शादी के लिए कहती तो वह टालमटोल कर देता। बाद में उससे बातचीत बंद कर दिया।

राज्योत्सव के सफल संचालन के लिए कलेक्टर ने ली अधिकारियों बैठक

एक दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव 5 नवम्बर को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर के आदेश क्रमांक एफ 10-06/2024/1-5, नया रायपुर, अटल नगर 01 अक्टूबर 2024 द्वारा राज्य स्थापना दिवस आयोजन के अवसर पर 05 नवम्बर 2024 को जिला मुख्यालय पर एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने हेतु निर्देश प्राप्त हुआ। इस संदर्भ में जिला मुख्यालय के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई।

कलेक्टर ने बैठक में कहा कि यह राज्य उत्सव कार्यक्रम शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मनेन्द्रगढ़ के मैदान में आयोजित होगा। कार्यक्रम के सुचारू संचालन हेतु अनिल कुमार सिदार, अपर कलेक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि सहायक नोडल अधिकारी के रूप में नितेश उपाध्याय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी डीआरडीए एवं लिंगराज सिदार, अनुविभागीय दण्डाधिकारी मनेन्द्रगढ़ नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु वन मंडलाधिकारी एमसीबी को रेस्ट हाउस में अतिथियों के सत्कार एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें कार्यक्रम स्थल पर बांस-बल्ली की व्यवस्था भी शामिल है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था और पार्किंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला शिक्षा अधिकारी एवं सहायक संचालक उद्यान को गमले, फूल माला, बुके तथा मंच की सजावट की व्यवस्था सम्भालनी होगी।

पुलिस की चेतना दीप से जगमगाया हैप्पी स्ट्रीट

पुलिस ने शुरू की नशे के खिलाफ मुहिम, अपराध मुक्त समाज बनाने जागरूकता का संदेश

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में रविवार शाम को पुलिस ने लोगों में जनजागरूकता लाने के लिए चेतना अभियान के तहत पुराने बिलासपुर की हैप्पी स्ट्रीट में चेतना के दीये जलाए। इस दौरान हैप्पी स्ट्रीट दीयों की रोशनी से जगमगा उठी। एसपी रजनेश सिंह ने नशे के खिलाफ इस अभियान की शुरुआत की है। उन्होंने समाज के हर वर्ग से अपराध मुक्त समाज के लिए सामुदायिक पुलिसिंग में सहयोग देने की अपील भी की।

दरअसल, बिलासपुर एसपी रजनेश सिंह और ट्रैफिक एएसपी नीरज चंद्राकर जिले में चेतना अभियान चला रहे हैं। इसके तहत पहले यातायात के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया। 3 चरणों के अभियान के बाद अब चौथे चरण में नशे के खिलाफ जन-जागरूकता और नशे के कारोबारियों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

5 हजार दीपों से जगमग हुआ हैप्पी स्ट्रीट: अभियान के तहत जनजागरूकता लाने के लिए और लोगों को प्रेरित करने के लिए रविवार की शाम हैप्पी स्ट्रीट में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में करीब 5 हजार दीपों से चेतना अगेंस्ट ड्रग का संदेश देकर दीप प्रज्ज्वलित किया गया। इसके माध्यम से नशे के अंधकार में खोए हुए लोगों को चेतना का प्रकाश मिले ऐसी कामना की गई।

एसपी बोले- नशे से दूर रहने और परिवार को रौशन करने जलाए दीप: एसपी रजनेश सिंह ने कहा कि, यह चेतना दीप उन लोगों के लिए भी है, जो नशे के कारण अपने परिवार से दूर हो चुके हैं। वे इस दीप के प्रकाश से प्रेरणा लेकर नशे को त्यागकर समाज की मुख्यधारा में लौट सकते हैं। इससे उनका परिवार इन दीपों की तरह रौशन होगा। उनका यह प्रयास नशे के सौदागरों पर कानूनी शिकंजा कसने में भी सहायक होगा। इस कार्यक्रम में जिले की विभिन्न समितियां, संगठन, एनजीओ, गणमान्य नागरिक और स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। एएसपी यातायात नीरज चंद्राकर, उमेश कश्यप, अनुज कुमार, अर्चना झा समेत पुलिस के अधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रोड सेफ्टी सेल के एसआइ उमाशंकर पांडेय ने किया।

अजित पवार बोले- शरद ने परिवार में फूट डाली

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, डिप्टी ष्टरूअजित पवार और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना चीफ राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे ने नामांकन दाखिल किया। शिंदे ने ठाणे की कोपरी पाचपाखडी, पवार ने बारामती और ठाकरे ने माहिम सीट से नामांकन भरा। अजित के खिलाफ बारामती सीट से उनके भतीजे युगेंद्र पवार ने एनसीपी-शरद गुट से नामांकन भरा। इस दौरान शरद पवार और बारामती की सांसद सुप्रिया सुले भी मौजूद थीं। सुप्रिया ने लोकसभा चुनाव में अजित पवार की पत्नी और अपनी भाभी सुनेत्रा पवार को हराया था। अजित नामांकन के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने भतीजे के चुनाव लड़ने पर कहा, एनसीपी संरक्षक शरद पवार ने परिवार में फूट डाली और उनके खिलाफ उम्मीदवार खड़ा किया। पहले मैंने गलती की थी, लेकिन ऐसा लगता है कि अब दूसरे लोग भी गलती कर रहे हैं। अजित पवार ने कहा- राजनीति को इतने निचले स्तर पर नहीं लाया जाना चाहिए, क्योंकि पीढ़ियों को एक होने में समय लगता है और परिवार को तोड़ने में एक पल भी नहीं लगता। पवार ने बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ अपनी पत्नी सुनेत्रा को लोकसभा चुनाव लड़वाया था। हालांकि बाद में उन्होंने कहा था कि मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।

जम्मू-कश्मीर के अखनूर में तीन आतंकियों को किया ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के अखनूर में सोमवार को सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया। अफसरों ने बताया कि एक आतंकवादी की बॉडी मिल गई है। सुबह 7-26 बजे लाइन ऑफ कंट्रोल के पास भट्टल इलाके में इन आतंकियों ने आर्मी एंबुलेंस पर फायरिंग की थी। हालांकि इसमें जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। आतंकी फायरिंग के बाद जंगल की ओर भाग गए थे। सेना ने इलाके को घेर कर सर्च ऑपरेशन चलाया। करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद तीनों आतंकियों को ढेर कर दिया गया। इससे पहले 24 अक्टूबर को बारामूला में सेना की गाड़ी पर आतंकियों ने हमला किया था, जिसमें 3 जवान और 2 पोर्टर की जान गई थी।मंदिर में मोबाइल ढूंढ रहे थे आतंकवादी सुरक्षाबलों ने बताया कि आतंकवादी भट्टल इलाके में जंगल से लगे शिव आसन मंदिर में एक मोबाइल ढूंढ रहे थे। उन्हें किसी को कॉल करनी थी। इसी दौरान आर्मी की एंबुलेंस गुजरी और आतंकवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि आतंकवादी पिछली रात बॉर्डर पार करके अखनूर में आए थे।

प्रियंका गांधी चुनाव प्रचार के लिए वायनाड पहुंचीं

वायनाड (एजेंसी)। प्रियंका गांधी ने वायनाड लोकसभा सीट पर अपना चुनाव प्रचार सोमवार से शुरू कर दिया। राहुल गांधी के रायबरेली सीट चुनने के बाद वायनाड सीट से कांग्रेस ने प्रियंका को कैंडिडेट बनाया है। यहां 20 नवंबर को चुनाव है। रिजल्ट 23 नवंबर को आएगा। प्रियंका ने वायनाड पहुंचने पर पहले रोड शो किया फिर मीनांगड़ी में रैली की। उन्होंने कहा कि हम जिस दौर में हैं, उसमें केंद्र में भाजपा की सरकार है। ये सरकार प्लानिंग के साथ समाज में नफरत और गुस्सा फैलाती है। हमने अल्पसंख्यकों पर हमले देखे हैं, मणिपुर में जो हुआ सबसे ने देखा है। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान के मूल्यों को लगातार मिटाया जा रहा है। जनता के भले की जगह पीएम के खास दोस्तों के भले के लिए पॉलिसी बनाई जा रही हैं। किसानों-आदिवासियों की जमीनें बड़े व्यापारियों को दी जाती हैं। प्रियंका ने कहा कि मेरा भाई राहुल जैसा होना आसान नहीं है। उन्होंने 10 साल तक भाजपा के क्रूर हमले झेले। उनके बारे में झूठ फैलाया गया। ऐसा होना ग्लोबल पॉलिटिक्स में बहुत अलग है। प्रियंका ने कहा कि नॉमिनेशन फाइल करने के बाद मेरी मुलाकात एक सैनिक से हुई। मैं उनके घर गई। उनकी मां से मिली। सैनिक की मां ने यूं गले लगाया जैसे मैं उनकी की बेटी हूं। इसके बाद उन्होंने मुझे एक माला दी। और कहा कि इसे मैं अपनी मां को दे दूं। मुझे गले लिया। उन्होंने कहा कि पिता के निधन के 6-7 महीने बाद मदर टेरेसा मेरी मां सोनिया गांधी से मिलने हमारे घर आईं। उस वक्त में 19 साल की थी। मदर टेरेसा मुझसे मिलीं, मुझे बुखार था। उन्होंने मेरे सिर पर अपना हाथ रखा। मेरे हाथ में अपनी माला पहनाई। उन्होंने कहा कि शादी के बाद मैं दिल्ली में मदर टेरेसा सिस्टर्स में शामिल हुई थी। वहां छोटे बच्चों को अंग्रेजी और हिंदी पढ़ाती थी। वहां बाथरूम और फर्श साफ करती थी, खाना बनाती थी।

वसुधा की रक्षा के लिए सभी नागरिक अपना दायित्व निभाएं

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पर्यावरण आज सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय है। वसुधा को बचाने का कर्तव्य हम सभी को निभाना है। भारत की पहचान दुनिया में प्रकृति और पर्यावरण को बचाने के संदर्भ में भी बनी है। प्रकृति और प्रगति में समन्वय आवश्यक है। प्रधानमंत्री मोदी सारे विश्व में अपने सक्षम नेतृत्व से भारत की प्रतिष्ठा बढ़ा रहे हैं। पर्यावरण के प्रति उनकी चिंता इस बात से सिद्ध होती है कि वे वर्ष 2030 तक भारत द्वारा 500 गीगावाट नवकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को लेकर चल रहे हैं। निश्चित ही हम कार्बन उत्सर्जन में एक बिलियन टन की कमी लाने में सफल होंगे। पर्यावरण की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण संकल्प है। इसकी पूर्ति के लिए राष्ट्रवासी भी सहयोग कर रहे हैं। मध्यप्रदेश नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प के अनुसार सौर ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि के लिए प्रदेश अधिक से अधिक योगदान देगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में जलवायु परिवर्तन के लिए वैश्विक प्रयास- भारत की प्रतिबद्धता में राज्यों का योगदान विषय पर आयोजित विमर्श सत्र एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रह थे। इसका आयोजन अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान (एप्पा) और मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद ने नर्मदा समग्र संस्था पैरवी और सिकोइडिकोन संगठन के सहयोग से किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान समय में दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें हमारी भारतीय जीवन पद्धति, हमारी मान्यताओं और परमात्मा एवं प्रकृति से जुड़ने के हमारे मूल दृष्टिकोण का अपना महत्व सामने आता है। एक श्रेष्ठ जीवनशैली के लिए भारतीय जाने जाते हैं। खान-पान और जल की शुद्धता के लिए हम गंभीर हैं। मध्यप्रदेश पर परमात्मा की विशेष कृपा है। जहाँ हमारा देश मानवता प्रेमी है, वहीं पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता के लिए भी भारत सक्रिय है।

विश्व के कल्याण के लिए भारत के उदात्त भाव से सभी परिचित हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी विश्व के देशों के लिए आशा की किरण हैं। जहाँ रूस और यूक्रेन के युद्ध की परिस्थितियां सभी के सामने हैं, वहीं इजराइल जैसे राष्ट्र जो तकनीक के उपयोग और अस्मिता के संघर्ष के लिए जाने जाते हैं, भारत के लिए इन सभी राष्ट्रों का सम्मानजनक रूख है। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। आज प्रधानमंत्री मोदी और भारत की सामर्थ्य एवं पर्यावरण प्रेमी होने के दृष्टिगत हमारी प्रतिष्ठा विश्व में बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने नर्मदा नदी और उसके तटों की पर्यावरणीय संरक्षण के लिए आवश्यक निर्णय लिए हैं।

मध्यप्रदेश नदियों का मायका है। सभी नदियों की स्वच्छता और हमारे ईको सिस्टम का संतुलन बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। हमारी सोन नदी, पुण्य सलिला गंगा को बलिष्ठ बनाती है। गंगा बेसिन के लिए यमुना के माध्यम से चंबल और क्षिप्रा भी यही भूमिका निभाती हैं। बेतवा भी यमुना जी में जाकर मिलती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा विश्वास जियो और जीने दो में है। भोपाल के पास रातापानी टाइगर अभ्यारण्य है। भोपाल के पास सड़कों पर दिन में मनुष्य और रात्रि में टाइगर दिखाई देते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा व्यक्त की कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी और विमर्श-सत्र से पर्यावरण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण निष्कर्ष सामने आएंगे। उन्होंने इस वैचारिक कार्यक्रम की सफलता की कामना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप जलाकर विमर्श-सत्र का शुभारंभ किया। सत्र को नार्वे के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय विकास और पर्यावरण मंत्री और यूएनडीपी के पूर्व कार्यकारी निदेशक एरिक सोलहेम ने वर्चुअल रूप से संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश बहुत सुंदर राज्य है। इसकी हेरिटेज देखने लायक है। मध्यप्रदेश में होने वाले जलवायु संरक्षण के कार्यों का वैश्विक महत्व होगा। एप्पा के सीईओ लोकश शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश ने गत दो दशक से प्रगति के अनेक आयाम छुए हैं।

पर्यावरण के प्रति मध्यप्रदेश सरकार गंभीर है। आगामी माह अजरबैजान में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में राज्य स्तरीय प्री-सीओपी विमर्श-सत्र का आयोजन महत्वपूर्ण है। भारत की पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता के संबंध में राज्यों की भागीदारी के संबंध में यह अपनी तरह का प्रथम विमर्श कार्यक्रम है। सरकार के साथ समाज की भागीदारी बढ़ाने और पर्यावरण के लिए प्रहरी के रूप में कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के साथ विचार-विमर्श के लिए इस विमर्श कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई।

कार्यक्रम को पैरवी संस्था के संचालक अजय झा ने कहा कि सदी के अन्त तक तापमान 2.5 डिग्री तक बढ़ने की संभावना है। विज्ञान भारती, केरल के डॉ. विवेकानंद पई ने कहा कि भारत में कार्बन उत्सर्जन 1.8 टन पर केपिटा है, जो कि विश्व की एवरेज केपिटा पर 4.5 टन से कम है। सिकोईडीकोन की सचिव मती मंजूबाला जोशी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की विभीषका को रोकने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी आर.एस. प्रसाद ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से संबंधित सभी कार्यक्रम सेल्फ ड्रिबेन हो। क्लाइमेट जस्टिस जरूरी है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिक परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने आभार व्यक्त किया। जलवायु परिवर्तन के लिये वैश्विक प्रयास-भारत की प्रतिबद्धता में राज्य का योगदान'' विषय पर भोपाल में पहला राज्य-स्तरीय प्री-कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी) परामर्श-सत्र में जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में कार्यरत प्रमुख लीडर्स को एक मंच पर लाने का प्रयास किया गया। भोपाल में यह आयोजन क्लाइमेट चेंज के क्षेत्र में राज्य द्वारा लिया गया एक महत्वपूर्ण कदम माना गया है। यह परामर्श मध्यप्रदेश के आर्थिक विकास और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी को एक साथ लाने के नवीन दृष्टिकोण को दर्शाता है। कार्यक्रम में 200 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्लाइमेट लीडर्स, शासकीय अधिकारी, पर्यावरण विशेषज्ञ और प्रतिनिधि शामिल हुए। इस विमर्श के केंद्र में मध्यप्रदेश किए जा रहे प्रयासों की विशेष चर्चा हुई, जो भारत के नेशनली डिटरमिन्ड कंट्रीब्यूशन और सतत विकास लक्ष्यों (स्ठत्नह्य) को आगे बढ़ाने में महती भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के माटी शिल्पकार लखन कुमार प्रजापति और बबलू प्रजापति द्वारा निर्मित टेराकोटा शिल्प का अवलोकन किया। इन शिल्प में लक्ष्मी माता की प्रतिमा, दिए और अन्य शिल्प शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रजापति ने चहचहाती हुई गोबर और मिट्टी के मिश्रण से बनी मैजिक चिड़िया दिखाई साथ ही नाथ जी की प्रतिमा भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रजापति की प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने स्वयं भी माटी शिल्प निर्माण में भागीदारी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वोकल फॉर लोकल के लिए पूरे देश के लोगों को प्रेरित किया है। दिए-बाती बनाने वाले, श्रृंगार और साज-सज्जा की सामग्री बनाने वाले कुम्हारों को उनकी बनाई सामग्री के लिए प्रोत्साहित करते हुए उनकी कला से समुचित आर्थिक लाभ दिलवाने के प्रयास जरूरी हैं।

महाराष्ट्र चुनाव, बीजेपी की तीसरी लिस्ट में 25 नाम

नई दिल्ली/मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने सोमवार दोपहर तीसरी लिस्ट जारी की। इसमें 25 उम्मीदवारों के नाम हैं। पार्टी अब तक तीन लिस्ट जारी कर चुकी है। इसमें कुल 146 प्रत्याशियों का ऐलान किया गया है। महायुति में अब तक 260 नाम की घोषणा हो चुकी है। इसमें बीजेपी, शिवसेना शिंदे गुट और हृष्टक्क अजित गुट शामिल हैं। शिवसेना शिंदे गुट की दो लिस्ट में 65 उम्मीदवार घोषित किए गए हैं। एनसीपी अजित गुट की तीन लिस्ट में 49 नामों का ऐलान हो चुका है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की कुल 288 सीटों पर महायुति ने 256 कैंडिडेट उतार दिए हैं। बीजेपी ने तीसरी लिस्ट के साथ नांदेड़ लोकसभा उपचुनाव के लिए भी प्रत्याशी घोषित किया है। यहां से डॉ. संतुक मारोतराव हंबर्डे को टिकट दिया है। वहीं, कांग्रेस पहले ही रविंद्र चव्हाण के नाम का ऐलान कर चुकी है। रविंद्र, पूर्व कांग्रेस सांसद वसंतराव चव्हाण के बेटे हैं। नांदेड़ सीट वसंतराव के निधन से खाली हुई थी।

वडोदरा में भारत-स्पेन के पीएम

वडोदरा (एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज आज वडोदरा में हैं। सबसे पहले मोदी और सांचेज ने वडोदरा एयरपोर्ट से टाटा के प्लांट तक करीब पौने तीन किमी का रोड शो किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने ष्ट-295 सैन्य विमान के निर्माण के लिए टाटा एयरबस की असेंबली यूनिट का उद्घाटन किया। इस मौके पर मोदी ने कहा कि हमने नए रास्ते पर चलना तय किया, नए लक्ष्य तय किए। इसका नतीजा सबके सामने है। पॉसिबिलिटी (संभावना) को प्रॉस्पैरिटी (समृद्धि) में बदलने के लिए सही प्लान और सही पार्टनरशिप का होना जरूरी है। इस कार्यक्रम में देश के 1500 कारोबारियों को भी आमंत्रित किया गया था। इसके बाद दोनों पीएम वडोदरा के लक्ष्मी विलास पैलेस पहुंचे, जहां पीएम मोदी ने स्पेन से आए डेलिगेशन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पीएम ने व्यापार संबंधी एमओयू पर साइन किए। पैलेस में हुई द्विपक्षीय बैठक में स्पेन के प्रधान मंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा कि जलवायु संकट, गरीबी और असमानता के खिलाफ लड़ाई के लिए सभी अंतरराष्ट्रीय लीडर्स के प्रयासों और राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। इन मुद्दों से निपटने के लिए भारत का प्रभाव और नेतृत्व आवश्यक है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी, हम अपने महान सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं।

250 पुलिसकर्मियों ने किया 300 संदिग्धों का वेरिफिकेशन, 40 पर कार्रवाई

नोएडा (एजेंसी)। गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट में इन दिनों अपराध और अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। ऑपरेशन प्रहार नाम के इस अभियान के तहत चेकिंग, वेरिफिकेशन आदि काम किए जा रहे हैं। पुलिस टीम अपने थाना क्षेत्र में रहने वाले संदिग्ध व्यक्तियों का वेरिफिकेशन करा रही है। इस दौरान नोएडा जोन में 250 से ज्यादा पुलिसकर्मियों ने 300 से ज्यादा संद?ग्धोंल का वेरिफिकेशन किया। इसमें से 40 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशानुसार आगामी त्योहारों को देखते हुए एडीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्र के नेतृत्व में नोएडा जोन के अंतर्गत अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के अगले चरण के में विभिन्न थाना इलाकों में रह रहे आपराधिक प्रवृत्ति के व्योक्[ऑपरयों के ख?लाफ सघन तलाशी अभियान चलाया गया है।

सांसद पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी मिली है। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस विश्नोई गैंग का सदस्य बताया है। धमकी देने वाले शख्स ने पप्पू यादव को सलमान खान मामले से अलग रहने की हिदायत भी दी है। उसने कॉल पर कहा, सलमान के मामले से दूर रहो, हम कर्म और कांड दोनों करते हैं। धमकी देने वाले का दावा है कि लॉरेंस बिश्नोई जेल में एक लाख रुपए प्रतिघंटा देकर जैमर बंद करवाकर पप्पू यादव से बात करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन पप्पू यादव फोन नहीं उठा रहे हैं। दरअसल,

12 अक्टूबर को मुंबई में पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी की हत्या हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी।

हर पात्र व्यक्ति को दिलाएं शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ : सीएम योगी

गोरखपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि हर पात्र व्यक्ति को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। जिनके पास आवास नहीं है उन्हें पीएम-सीएम योजना के तहत पक्का आवास दिलाया जाए और जो किसी सामाजिक पेंशन योजना के दायरे में आने की अर्हता रखते हैं, उन्हें इसका लाभ दिलाया जाए। सीएम योगी ने उक्त निर्देश गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए दिए। मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याओं को सुनते हुए आश्वस्त किया कि हर समस्या का समयबद्ध, पारदर्शी और संतुष्टिपरक निस्तारण किया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 300 लोगों की समस्याएं सुनी। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। इस दौरान एक महिला ने आवास की समस्या बताई। इस पर सीएम योगी ने तुरंत अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला की समस्या को संवेदनशीलता से देखें।

दिल्ली में दीपावली की तैयारी के बीच सुरक्षा व्यवस्था कड़ी, पुलिस हाई अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीपावली नजदीक आने के साथ ही दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस ने कड़े कदम उठाए हैं। हाल ही में प्रशांत विहार इलाके में सीआरपीएफ स्कूल के पास हुए धमाके के बाद पुलिस प्रशासन हाई अलर्ट पर है। राजधानी के बाजारों में सुरक्षा इंतजाम बढ़ा दिए गए हैं। पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर मार्केट, जो कि शहर का एक प्रमुख और पुराना बाजार है, यहां सुरक्षा उपायों को अत्यधिक सख्त किया गया है। इस मार्केट में रोजाना हजारों की संख्या में लोग खरीदारी करने आते हैं, और ऐसे में पुलिस की सजगता आवश्यक हो गई है। मार्केट के मेन गेट पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए मचान बनाया गया है, जहां हथियारबंद जवान तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही सीसीटीवी कैमरों की मदद से बाजार की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। एंट्री गेट पर मेटल डिटेक्टर भी लगाए गए हैं, जिससे संभावित खतरों को कम किया जा सके। दिल्ली पुलिस के डीसीपी, एसीपी और एसएचओ सहित अन्य पुलिस अधिकारी शाम में फुट पेट्रोलिंग भी कर रहे हैं। बाजार के हर कोने में जाकर अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर रहे हैं और जहां कहीं कमी दिखाई दे रही है, वहां तुरंत सुधार करने के प्रयास कर रहे हैं। डीसीपी वेस्ट विचित्र वीर ने कहा कि हमने सभी बाजारों में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए हैं।

दिवाली पर रात 8 बजे से पहले या 10 बजे के बाद पटाखे फोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

बेंगलुरु (एजेंसी)। बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने सोमवार को चेतावनी दी कि दीपावली पर्व के दौरान बेंगलुरु शहर में निर्धारित समय रात 8 बजे और 10 बजे से पहले या बाद में पटाखे फोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बीबीएमपी आयुक्त ने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, बेंगलुरु शहरी जिले के डिप्टी कमिश्नर के आदेश के बाद बीबीएमपी ने अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।

मुडा स्कैम मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

बेंगलुरु (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने कथित मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाला मामले में बेंगलुरु और मैसूर में 8 से 9 जगहों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनके परिवार और मुडा अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और जमीन की हेराफेरी के आरोपों की बीच हुई है। मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण को शॉर्ट फॉर्म में रूड्ड कहते हैं। जब सरकार किसी जमीन का अधिग्रहण करती है तो मुआवजे के तौर पर दूसरी जगह जमीन देती है। पूरा कथित रूड्ड स्कैम भी इसी से जुड़ा है। ये मामला सिद्धारमैया की पत्नी बीएम पार्वती को मुआवजे के रूप में मिली 14 प्रीमियम साइट से जुड़ा है। 2004 से यह मामला रूड्ड की ओर से उस समय मुआवजे के तौर पर जमीन के पार्सल के आवंटन से जुड़ा है जब सिद्धारमैया मुख्यमंत्री थे। ये प्लॉट मैसूर में हैं। आरोप है कि सिद्धारमैया और उनकी पत्नी पार्वती ने` गैरकानूनी तरीके से जमीन ली। दावा है कि इसमें 4 हजार करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। जिस जमीन की यहां बात हो रही है वो केसारू गांव की 3.16 एकड़ का प्लॉट है।

गैरी कर्स्टन ने पाकिस्तान के कोच पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में अपने घर पर इंग्लैंड क्रिकेट टीम को टेस्ट सीरीज में हराने वाली पाकिस्तान क्रिकेट टीम को अगले महीने ऑस्ट्रेलिया और फिर जिम्बाब्वे का दौरा करना है।इन अहम दौरों से पहले पाकिस्तान टीम को बड़ा झटका लगा है।दरअसल, टीम के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन ने अपने पद से इस्तीफा दिया है। वह इसी साल टीम के वनडे और टी-20 कोच नियुक्त किए गए थे।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कर्स्टन की जगह पर जेसन गिलेस्पी को ये जिम्मेदारी सौपीं है। बता दें कि इससे पहले गिलेस्पी सिर्फ टेस्ट टीम के कोच के रूप में पाकिस्तानी टीम से जुड़े थे।पीसीबी ने आधिकारिक घोषणा करते हुए कहा, जेसन गिलेस्पी अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे पर पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम के कोच होंगे। गैरी कर्स्टन ने अपना इस्तीफा सौंप दिया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कर्स्टन और पाकिस्तान के खिलाड़ियों व बोर्ड के बीच गंभीर मतभेद रहे।दरअसल, कर्स्टन ने डेविड रीड को हाई परफॉरमेंस कोच नियुक्त करने का पीसीबी से अनुरोध किया था।पीसीबी ने उनकी बात को नहीं माना और इसके बदले में वैकल्पिक सुझाव दिए, जो कर्स्टन को स्वीकार्य नहीं थे।ऐसे में बोर्ड और कोच के बीच रिश्ते सही नहीं थे और कर्स्टन ने खुद को इस जिम्मेदारी से अलग करने का फैसला किया।

सबसे खतरनाक 5 विदेशी स्पिनर्स, जिन्होंने भारत में आकर टीम इंडिया का छीना चैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पिचों पर स्पिनर्स का जलवा देखने को मिलता है. इसलिए हमारे पास दुनिया के टॉप स्पिन गेंदबाज मौजूद हैं, जिनकी फिरकी में फंसकर अच्छे-अच्छे बल्लेबाज भी अपना विकेट गंवा देते हैं. लेकिन, आज हम आपको कुछ ऐसे विदेशी स्पिन गेंदबाजों के बारे में बताने वाले हैं, जिन्होंने भारत में आकर भारतीय बल्लेबाजों को खूब परेशान किया है. यकीन मानिए इन स्पिनर्स ने टीम इंडिया के बल्लेबाजों को एक-एक रन के लिए तरसा दिया...

जब भी भारत में आकर प्रदर्शन करने वाले स्पिनर्स की बात होगी, तो उसमें न्यूजीलैंड के एजाज पटेल का नाम जरूर आएगा. वह 2021 में कीवी टीम के साथ भारत दौरे पर आए थे. मुंबई में खेले गए टेस्ट मैच में उन्होंने इतिहास रचते हुए एक पारी में 10 विकेट झटक लिए थे. वह एक पारी में 10 विकेट लेने वाले दुनिया के तीसरे गेंदबाज बने.

एजाज ने अकेले 47.5 ओवर में 119 रन देकर सभी 10 विकेट अपने नाम किए थे. हालांकि, उनके इस खतरनाक प्रदर्शन के बाद भी भारतीय टीम ने मुंबई में जीत हासिल करते हुए न्यूजीलैंड को धूल चटाई थी.

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के स्टार स्पिन गेंदबाज मिचेल सैंटनर ने हाल ही में भारत के होश उड़ाए. उन्होंने पुणे में खेले गए टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में कमाल की गेंदबाजी की, जहां पहली पारी में 7 और दूसरी पारी में 6 विकेट झटक लिए. उन्होंने अकेले ही मानो भारतीय बल्लेबाजों का सफाया करते हुए 13 विकेट झटक लिए. उनकी इस विकेटचटकाऊ गेंदबाजी के सामने भारतीय बल्लेबाजी बिखर गई और टीम इंडिया मैच गंवा बैठी.

जनवरी 2024 में भारत दौरे पर आई इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने पहले ही मैच में भारत को हरा दिया था. उस मैच में इंग्लैंड के स्पिन गेंदबाज टॉम हार्टली ने भारतीय बल्लेबाजों को काफी परेशान किया था. पहली पारी में भले ही उन्हें 2 विकेट मिले हो, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने 7 विकेट लिए. इस तरह 9 विकेट चटकाकर भारत को मात देने में अहम भूमिका निभाई. 2017 में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के साथ भारत दौरे पर आए स्टीव ओ कीफे ने भारतीय बल्लेबाजों की नींद उड़ा दी थी. उन्होंने पहली पारी में सिर्फ 35 रन देकर 6 विकेट चटकाए. वहीं, फिर दूसरी पारी में उन्होंने फिर 35 रन दिए और 6 विकेट चटका लिए. इस तरह कुल 12 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजने वाले स्पिन गेंदबाज स्टीव भी भारत में आकर शानदार प्रदर्शन करने वाले स्पिनर्स की लिस्ट में शुमार हैं. इंग्लैंड के दिग्गज स्पिनर गेंदबाज मोंटी पनेसर का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है, जिन्होंने अपने खेलने के दिनों में भारतीय बल्लेबाजों को काफी तंग किया. 2012 में भारत दौरे पर आए पनेसर ने वानखेड़े की पिच पर कमाल की गेंदबाजी की थी.

पहली पारी में उन्होंने 47 ओवर फेंके, जिसमें 129 रन देकर 5 विकेट लिए, फिर दूसरी पारी में 22 ओवर फेंके, जिसमें 81 रन देकर 6 विकेट चटका लिए. उन्होंने मुंबई टेस्ट में 10 विकेट लिए और भारत को उस मैच में हराने में अहम भूमिका निभाई.

कुश्ती: चिराग चिक्कारा ने अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते रविवार (27 अक्टूबर) को भारत के पहलवान चिराग चिक्कारा ने अल्बानिया के तिराना में स्वर्ण पदक जीतने का कारनामा किया।उन्होंने अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप कुश्ती में पुरुषों के 57 किग्रा वर्ग के फाइनल मुकाबले में किर्गिस्तान के अब्दिमलिक कराचोव को नजदीकी मुकाबले में 4-3 से हराया।

इसके साथ ही 18 वर्षीय चिक्कारा अंडर-23 विश्व चैंपियन बनने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय पुरुष पहलवान बन गए हैं। चिक्कारा अंडर-23 विश्व चैंपियन बनने वाले पहलवानों की विशेष सूची में शामिल हो गए।उनसे पहले पुरुषों में अमन सहरावत यह कारनामा कर चुके हैं। बता दें कि अमन ने 2022 में तुर्की के अहमत दुमन को 12-4 से हराते हुए इतिहास रचा था।पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक विजेता अमन के बाद महिलाओं में रीतिका हूडा ने 2023 में अंडर-23 विश्व चैंपियन बनी थी। वह महिलाओं में यह खिताब हासिल करने वाली पहली पहलवान है। चिराग ने इससे पहले सेमीफाइनल में कजाकिस्तान के एलन ओरलबेक को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। सेमीफाइनल में उन्होंने विपक्षी पहलवान को कोई मौका नहीं दिया और 8-0 से जोरदार जीत दर्ज की थी।उन्होंने पहले दौर में जापान के गटुको ओजावा को 6-1 से हराया था और फिर क्वार्टर फाइनल में इयुनस इवबातिरोव को 12-2 से शिकस्त दी थी। इस भारवर्ग का कांस्य पदक इवबातिरोव ने जीता।

न्यूजीलैंड से हारने के बाद बीसीसीआई ने लिया एक्शन, वीवीएस लक्ष्मण बने हेड कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को अगले महीने के पहले सप्ताह में ही साउथ अफ्रीका के लिए रवाना होना है. जहां, भारत और अफ्रीकी टीम के बीच टी-20 सीरीज खेली जाने वाली है. इस सीरीज की शुरुआत 8 नवंबर से होगी. इससे पहले एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है कि इस दौरे पर टीम के साथ बतौर हेड कोच गौतम गंभीर नहीं बल्कि वीवीएस लक्ष्मण जाने वाले हैं। भारतीय टीम के साथ साउथ अफ्रीका दौरे पर बतौर हेड कोच वीवीएस लक्ष्मण को भेजा जाने वाला है. हालांकि,

बीसीसीआई ने अब तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है. मगर, खबरों की मानें, तो 8 नवंबर से शुरू होने वाले साउथ अफ्रीका दौरे पर टीम इंडिया की जिम्मेदारी बीसीसीआई ने पूर्व भारतीय दिग्गज वीवीएस के हाथों में सौंपी है। बेंगलुरु में एनसीए में काम करने वाले कर्मचारी और अन्य कोच, जैसे साईराज बहुतुले, हृषिकेश कानिटकर और सुभदीप घोष, लक्ष्मण के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होंगे. बहुतुले (हेड कोच), कानिटकर (बल्लेबाजी कोच) और घोष (फील्डिंग कोच) इंडिया इमर्जिंग टीम का हिस्सा थे, जिसने ओमान में आयोजित एशिया इमर्जिंग कप टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। अब आपके मन में सवाल आ रहा होगा कि आखिर गौतम गंभीर को साउथ अफ्रीका दौरे पर क्यों नहीं भेजा जा रहा है? असल में, भारत को अगले महीने की 10 तारीख के आस-पास बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना होना है।

फुटबॉल मैत्रीपूर्ण मैच में डच महिलाओं ने इंडोनेशिया पर 15-0 से रिकॉर्ड जीत दर्ज की

द हेग/ नीदरलैंड (एजेंसी)।। डच महिला फुटबॉल टीम ने नीदरलैंड के गेल्डरलैंड के एक नगर पालिका डोएटिनचेम में आयोजित मैत्रीपूर्ण मैच में इंडोनेशिया के खिलाफ रिकॉर्ड 15-0 की जीत के साथ एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

नीदरलैंड की महिला टीम फीफा विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर है, जबकि इंडोनेशिया 104वें स्थान पर है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हाफटाइम तक स्कोर 6-0 था और मैच में अंतिम स्कोर 15-0 हो गया।

डच कोच एंड्रीज जोंकर ने दो नवोदित खिलाड़ियों, नीना निजस्टैड और लोटे केयूकेलार को शामिल किया, जिन्होंने दो-दो गोल करके प्रभाव डाला।

डच ने कुल 73.8 प्रतिशत बॉल पोजेशन का आनंद लिया और इंडोनेशियाई लड़कियों द्वारा 1 के मुकाबले गोल पर 63 शॉट लगाने का प्रयास किया। उनके प्रतिद्वंद्वियों के एक भी शॉट के मुकाबले उनके 27 शॉट निशाने पर थे।

इस मैच से पहले, डच टीम की सबसे बड़ी जीत 2009 में उत्तरी मैसिडोनिया के खिलाफ 13-1 की जीत थी। उन्होंने 1977 में इज़राइल (12-0) और 2022 में साइप्रस (12-0) के खिलाफ 12 गोल के अंतर से उल्लेखनीय जीत भी दर्ज की थी। फुटबॉल देश के पसंदीदा खेलों में से एक होने के बावजूद, इंडोनेशिया की राष्ट्रीय टीमें एशिया की सबसे मजबूत टीमों में से नहीं हैं, खासकर इसकी महिला टीम। इंडोनेशिया में महिला फुटबॉल की कोई परंपरा नहीं है और पुरुष टीम के विपरीत, यह काफी पिछड़ा हुआ है, जिसकी टीम एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) रैंकिंग में निचले पायदान पर है।

पीसीबी ने सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट का किया ऐलान, 5 नए खिलाड़ी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 2024-25 सीजन के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की घोषणा कर दी है. जिसमें कुल 25 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है. यह कॉन्ट्रैक्ट 1 जुलाई, 2024 से लागू हुआ. इस कॉन्ट्रैक्ट में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम और विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान पर हैरान करने वाला फैसला लिया गया है. इन दोनों ही खिलाड़ियों को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में सबसे अलग रखा गया.

पीसीबी ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को कुल चार कैटेगरी में बांटा है. जिसमें ए, बी, सी और डी शामिल है. सबसे ऊंची ए कैटेगरी में सिर्फ बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को रखा गया. इसके अलावा नए जुड़े पांच खिलाड़ियों को डी कैटेगरी में शामिल किया गया है. नए खिलाड़ियों में, खुर्रम शहजाद, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद अली, मोहम्मद इरफान खान और उस्मान खान को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा बनाया गया है.

वहीं शाहीन अफरीदी, नसीम शाह और टेस्ट कप्तान शान मसूद जैसे स्टार खिलाड़ियों को बी कैटेगरी में रखा गया.

पाक के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को 14 नवंबर से पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ टी-20 सीरीज की मेजबानी करनी है।3 मैचों की इस सीरीज के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपनी टीम की घोषणा की है। 13 सदस्यीय टीम में जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस और स्पेंसर जॉनसन की वापसी हुई है।दिलचस्प रूप से सीए ने इस टीम के कप्तान का चुनाव नहीं किया है।

ऑस्ट्रेलिया को 22 नवंबर से भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर सीरीज की मेजबानी करनी है।इस सीरीज को ध्यान में रखते हुए ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट टीम के खिलाड़ियों को टी-20 टीम में जगह नहीं दी है।ऑस्ट्रेलिया के सबसे हालिया टी-20 कप्तान मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड उपलब्ध नहीं हैं, साथ ही पैट कमिंस भी सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। ऐसे में पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में कोई नया ऑस्ट्रेलियाई कप्तान नजर आ सकता है। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा कि कप्तानी पर फैसला सीरीज से ठीक पहले किया जाएगा।उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि कई खिलाड़ी कप्तानी करने की क्षमता रखते हैं और कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें कप्तानी का कुछ अनुभव भी है। हम इस पर काम करेंगे। ऑस्ट्रेलिया की टीम में बार्टलेट, एलिस और जॉनसन चोट से उबरकर वापस लौटे हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुने जाने पर हर्षित राणा ने कहा, पापा की बदौलत यहां तक पहुंचा हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ऐतिहासिक 2020-21 टेस्ट सीरीज जीत हर किसी को याद है। इस दिन एक युवा क्रिकेटर हर्षित राणा ने एक सपना देखा था, जो अब तीन साल बाद हकीकत बनने वाला है। भारत की 18 सदस्यीय टीम में तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों में से एक हर्षित राणा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए टीम में शामिल हैं। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार परफॉर्मेंस के बाद राणा की यात्रा उनके समर्पण को दर्शाती है। उम्मीद है कि अनुभवी खिलाड़ियों और गौतम गंभीर की कोचिंग में वह इस मौके को पूरी तरह भुनाने में सफल होंगे।

आईपीएल 2024 के बाद से राणा भारतीय टीम का अभिन्न अंग रहे हैं, वह लगातार टीम के साथ यात्रा करते रहे हैं और उन्होंने अच्छा अनुभव हासिल किया है। जिम्बाब्वे, श्रीलंका और बांग्लादेश के दौरों के दौरान डेब्यू न करने के बावजूद, राणा ने जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे शीर्ष भारतीय खिलाड़ियों के साथ अपने कौशल को निखारा है। उन्होंने खासकर ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के बारे में इन गेंदबाजों से बहुत कुछ सीखा और होमवर्क किया होगा।

आईपीएल के जरिए राणा ने अपने

कौशल को खूब निखारा है। उन्होंने 2024 में 13 मैचों में 19 विकेट लिए और 20.15 के प्रभावशाली औसत के साथ सबका ध्यान खींचा। इस प्रदर्शन के कारण उन्हें जिम्बाब्वे दौरे पर टी20 के लिए भारत की ओर से शुरुआती कॉल-अप मिला। हालांकि, वह प्लेइंग-11 में शामिल नहीं हो पाए लेकिन यह अनुभव उनके लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ। भारत के बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल से सीखते हुए, राणा ने प्रत्येक सत्र के लिए अलग-अलग लक्ष्यों के साथ अपने कौशल को निखारने पर ध्यान केंद्रित किया।

राणा ने कहा, मोर्ने मोर्कल हम पर कड़ी नजर रखते हैं और प्रत्येक गेंदबाज नेट पर क्या कर रहा है, इस पर उनका फोकस हमेशा रहता है। वह हमेशा हमें बताते हैं कि हमें प्रत्येक गेंद पर क्या लक्ष्य रखना चाहिए। इससे मुझ स्पष्टता मिलती है कि मुझे आगे क्या करना है। उन्होंने मुझे हर गेंदबाजी सत्र के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य रखने की सलाह दी है। टीम के इतने अनुभवी खिलाड़ियों के साथ खेलना शानदार होगा। कोच गौतम गंभीर से भी हमें बहुत कुछ सीखने मिलता है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे तब पता चला कि मैं ऑस्ट्रेलिया जा रहा हूं जब टीम की आधिकारिक घोषणा की गई। लेकिन मुझे इस बात का संकेत था कि मेरा चयन हो सकता है क्योंकि उन्होंने मुझे तैयारी के लिए टीम में रखा था। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुना जाना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मैं प्रतिस्पर्धी रवैये के साथ क्रिकेट खेलना पसंद करता हूं

जो ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की भावना से मेल खाता है। जबकि मेरे पिता का सपना है कि मैं इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में टेस्ट मैच खेलूं, व्यक्तिगत रूप से, मैं एक टीम के रूप में ऑस्ट्रेलिया का सामना करने के लिए अधिक आकर्षित महसूस करता हूं।

गेंद के घूमने पर इंग्लैंड की टीम असमंजस में पड़ी: हुसैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में इंग्लैंड की 2-1 से टेस्ट सीरीज़ हार पर विचार करते हुए, पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा कि बेन स्टोक्स की अगुआई वाली टीम स्पिन और पकड़ी हुई गेंदों का सामना करते समय बल्ले और गेंद दोनों से थोड़ी खोई हुई दिखी।

रावलपिंडी में तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन, इंग्लैंड 112 रन पर आउट हो गया, क्योंकि पाकिस्तान ने आखिरकार 36 रनों का पीछा करते हुए नौ विकेट से मैच जीत लिया और 2021 के बाद से अपनी पहली घरेलू सीरीज़ जीत हासिल की। मुल्तान में सपाट पिच पर सीरीज़ का पहला मैच जीतने के बाद इंग्लैंड 1-0 से आगे था, लेकिन स्पिन की अनुकूल परिस्थितियों में अगले दो मैच हार गया।

यह बिल्कुल स्पष्ट है कि जब पिच सपाट होती है और वे लाइन के पार हिट कर सकते हैं, तो इंग्लैंड शानदार क्रिकेट खेलता है और अजेय हो सकता है। लेकिन जैसे ही पिच घूमती है और पकड़ती है, वे बल्ले और गेंद दोनों से थोड़े खोए हुए दिखते हैं। हुसैन ने रविवार को डेली मेल के लिए अपने कॉलम में लिखा, पूरी तरह से अलग-अलग सतहों के बीच हमेशा एक विसंगति होगी, लेकिन उन्हें यह देखना चाहिए कि यह विसंगति इतनी बड़ी क्यों है। मैकुलम और बेन स्टोक्स के नेतृत्व में यह केवल दूसरी श्रृंखला है जिसे उन्होंने खो दिया है और ये दोनों उपमहाद्वीप में थे। यह

कहानी बताती है कि कुछ स्थितियों में, यह पक्ष थोड़ा कमजोर दिखता है।

उन्होंने उन क्षेत्रों की ओर भी इशारा किया जहां इंग्लैंड के खिलाड़ी रावलपिंडी में अपने पाकिस्तानी समकक्षों से पीछे हैं। सऊद शकील ने निर्णायक टेस्ट में जो अच्छा किया, वह इंग्लैंड के बल्लेबाजों द्वारा गेंद को सीधे डिफेंड करना नहीं था, बल्कि इसे विकेट के चौकोर हिस्से पर रखना और नरम हाथों से खेलना था।

इसकी तुलना जैक क्रॉली और ओली पोप से करें, जो सख्त हाथों से खेलते हैं, गेंद पर जाते हैं, जमीन पर मारने की कोशिश करते हैं और लंबाई नहीं पकड़ते। जैक लीच भी देख सकते हैं कि नोमान अली किस तरह से अपनी गति को बदलकर और उड़ान और चालाकी का उपयोग करके हवा में बल्लेबाजों को धोखा देते हैं। फिलहाल, वह एक ही गति से गेंद के बाद गेंद फेंकता है। शोएब बशीर को साजिद खान की निरंतरता पर ध्यान देने की जरूरत है। भले ही साजिद अपनी गति बदलते रहते हैं, लेकिन वे शायद ही कभी खराब गेंद फेंकते हैं, जबकि बशीर को अभी भी अपने नियंत्रण में समस्या है, भले ही वे अभी भी अपना काम सीख रहे हों।

हुसैन ने यह कहते हुए अपनी बात समाप्त की कि अब समय आ गया है कि इंग्लैंड के बल्लेबाज, खासकर पोप और क्रॉली, विभिन्न परिस्थितियों में बल्लेबाजी में निरंतरता दिखाएं। क्रॉली, पोप और स्टोक्स के रूप में इंग्लैंड के शीर्ष छह में से तीन ऐसे हैं जो टर्न होने पर थोड़े कमजोर दिखते हैं। न्यूजीलैंड दौरे के साथ मुझे नहीं लगता कि इंग्लैंड कोई बड़ा बदलाव करेगा। सामान्य तौर पर, वे सही लोगों को टीम में शामिल कर रहे हैं और अच्छा चयन कर रहे हैं। लेकिन मेरा मानना है कि क्रॉली और पोप जैसे जो खिलाड़ी अब टीम में लगातार बने हुए हैं, उन्हें कुछ सुधार दिखाने की जरूरत है। वे दोनों इस दौरे पर अपना 50वां टेस्ट कैप जीत चुके हैं, इसलिए वे नौसिखिए नहीं हैं।मैं जो देखना चाहता हूं वह है कुछ निरंतरता, न कि सिर्फ़ एक पारी में, जहां आप कहते हैं, वाह, इसीलिए वे टीम में हैं, और फिर उसके बाद वे तीन या चार टेस्ट के लिए गायब हो जाते हैं। हमें परिस्थितियों के अनुसार निरंतरता देखनी होगी, न कि सिर्फ़ उन परिस्थितियों में जो उनकी खेलने की शैली के अनुकूल हों।

पुलिस परेड ग्राउण्ड में होगा स्थापना दिवस समारोह

समय सीमा प्रकरणों की बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस 1 नवम्बर को मनाया जायेगा। सतना जिले का मुख्य समारोह पुलिस परेड ग्राउण्ड में प्रातः 9 बजे से ध्वजारोहण के साथ शुरू होगा। सोमवार को कलेक्टर अनुराग वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न समय सीमा प्रकरणों की बैठक में तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस मौके पर अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, एसडीएम जीतेन्द्र वर्मा, एपी द्विवेदी, आरएन खरे, राहुल सिलाडिया, एलआर जांगडे, अधीक्षण यंत्री पीके मिश्रा सहित जिला विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

म.प्र. के स्थापना दिवस पर पुलिस परेड ग्राउण्ड में प्रातः 9 बजे मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण सामूहिक राष्ट्रगान के अलावा सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन भी होंगे। कार्यक्रम का समापन 9.40 बजे मध्यप्रदेश गान के साथ होगा। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर स्थानीय स्तर पर 1 से 3 नवम्बर तक जिला स्तर पर विविध कार्यक्रम होंगे। प्रदेश में 31 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक सभी शासकीय भवनों पर रात्रि में रोशनी की जायेगी। इसी प्रकार सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर 29 अक्टूबर को प्रातः 9 बजे दादा सुखेन्द्र सिंह स्टेडियम से चौपाटी सिविल लाइन तक ''रन फार यूनिटी'' का भी आयोजन किया जायेगा।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि सतना जिले प्रदेश में ग्रेडिंग के हिसाब से 13वें स्थान पर है। पिछले हफ्ते की लंबित 12088 कुल शिकायतों में 1071 और जुडकर इस हफ्ते 13159 लंबित हो गई है। सभी विभाग के अधिकारी सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को गंभीरतापूर्वक निराकरण करें। उन्होंने कहा कि एक हजार दिवस से अधिक की शिकायतों को एक सप्ताह के भीतर शून्य पर लायें, अन्यथा संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। मार्कफेड की जिला विपणन अधिकारी के बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

बैठक में सीपी ग्राम की लंबित 176 शिकायतों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश भी दिये गये।

पोते ने की थी दादी की हत्या

सिर पर किया था बांस से हमला, बोला- जादू-टोना करती थीं

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर जिले के अमदरा थाना अंतर्गत बुढागर में हुई वृद्धा की हत्या उसके पोते ने ही की थी। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अपनी दादी के सिर पर बांस का डंडा मारा था, जिसके बाद उनकी मौत हो गई थी।

जानकारी के मुताबिक, अमदरा थाना क्षेत्र के ग्राम बुढागर में 23 अक्टूबर को हुई वृद्धा काशी बाई पत्नी निर्भान सिंह गोंड की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने मृतका के पोते जगतपाल सिंह उर्फ घिन्नू पिता सोने सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। जगतपाल वारदात के बाद से ही लापता था और प्रथम दृष्ट्या संदेह भी उसी पर व्यक्त किया गया था।

पुलिस ने बताया कि जांच पड़ताल के दौरान लोगों से हुई पूछताछ और पिछले कुछ घटनाक्रमों के बारे में सामने आई जानकारी में भी जगतपाल पर संदेह गहराने के आधार मिले थे। उसकी तलाश में पुलिस ने कई संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की थी। पकड़ में आने पर उससे पूछताछ की गई तो उसने दादी की हत्या का जुर्म कबूल करते हुए पुलिस को बताया कि उसने बांस से वार कर वारदात को अंजाम दिया।

दादी जादू-टोने करती थीं: आरोपी ने पुलिस को बताया कि दादी काशी सिंह जादू टोना करती थी, इसमें चाचा वीरेंद्र सिंह और चाची सुमित्रा सिंह भी दादी की मदद करते थे। उनकी इस हरकत से गांव के लोग परेशान रहते थे। जब इस पर जगतपाल ने ऐतराज जताया तो लगभग डेढ़ माह पूर्व दादी, चाचा और चाची ने उसके साथ मारपीट की थी। उस वक्त से ही उसने खुन्नस पाल ली थी। 23 अक्टूबर को जब दादी काशी सिंह अकेले नदी तरफ गई थी, तभी मौका पा कर उसने बांस के डंडे से उसके सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद जगतपाल वहां से भाग निकला।

दावे-आपत्तियां के लिए 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर तक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्य निर्वाचन आयोग भोपाल के निर्देशानुसार वार्षिक संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 में दावें आपत्तियां प्राप्त करने के लिए 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर 2024 के दौरान प्रचार-प्रसार कराये जाने के लिए तैयार कराई गई। जिसमें दो प्रकार की 60-60 सेकण्ड की जिंगल के द्वारा अपशिष्ट संग्रहण वाहनों, रेल्वे स्टेशन, बस स्टैण्ड, ट्राफिक सिग्नल में अनाउन्समेंट सिस्टम पर तथा जिले में आयोजित मेलों में होने वाले सांस्कृति कार्यक्रमों में अथवा अन्य संसाधनों के द्वारा अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कराये जाने के निर्देश दिये है। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल वानखडे ने आयुक्त नगर पालिक निगम तथा सतना और मैहर जिले के समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी/नगर परिषद को निर्देशित करते हुए कहा कि आयोग द्वारा भेजे गये जिंगल के माध्यम से प्रचार-प्रसार कराया जाना सुनिश्चित करें तथा कार्यवाही का वीडियो कार्यालय के ईमेल आईडी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

9वें आयुर्वेद दिवस का आयोजन आज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिला आयुष अधिकारी डॉ. नरेन्द्र कुमार पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी आयुष मंत्रालय, भारत सरकार एवं संचालनालय आयुष मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार राष्ट्रीय आयुष मिशन अंतर्गत जिले में संचालित समस्त आयुष संस्थाओं में नवम् आयुर्वेद दिवस धन्वंतरी जयंती का आयोजन 29 अक्टूबर को किया जा रहा है। वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार की थीम पर कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया जायेगा।

चित्रकूट के परिक्रमा मार्ग पर 45 में 42 कैमरे खराब

डीएम ने ईओ को लगाई फटकार, बोले- सुरक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं; जल्द ठीक कराएं

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट के परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए लगाए गए 45 सीसीटीवी कैमरों में से 42 कैमरे खराब होने की खबर सामने आने पर जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। जिसके बाद डीएम शिवशरण अप्पा खुद परिक्रमा मार्ग का दौरा करने पहुंचे और मौके पर सीसीटीवी कैमरों का हाल जाना।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने पाया कि नगर पालिका के नियंत्रण कक्ष में अधिकतर सीसीटीवी कैमरे खराब पड़े थे। इस पर डीएम ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी (ईओ) लालजी यादव को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने कहा- दीपावली मेले के दौरान चित्रकूट में लगभग 50 लाख श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी। इस दौरान सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर तय समय में सभी सीसीटीवी कैमरों को चालू नहीं किया गया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी और शासन को भी इस बारे में अवगत कराया जाएगा।

सीसीटीवी की मरम्मत के लिए पहुंची टीम: डीएम की सख्त हिदायत के बाद नगर पालिका ने फौरन एक्शन लेते हुए परिक्रमा मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों की मरम्मत के लिए इंजीनियरों की टीम भेज दी है। खबर के बाद जिला प्रशासन हरकत में आया है और डीएम ने परिक्रमा मार्ग की सफाई व्यवस्था और अतिक्रमण पर भी नजर डाली। उन्होंने रामघाट और अन्य स्थानों का निरीक्षण करते हुए सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। जिससे दीपावली मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा में कोई कमी न रह जाए।

सीसीटीवी कैमरे किए जाएंगे दुरुस्त: चित्रकूट में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए अब प्रशासन पूरी मुस्तैदी से कार्यरत है और नगर पालिका को दिए गए सख्त निर्देशों के बाद उम्मीद है कि जल्द ही सभी सीसीटीवी कैमरे दुरुस्त हो जाएंगे।

अश्लीलता और मारपीट के आरोपी को 5 साल बाद सजा

खेत में महिला के फाड़ दिए थे कपड़े, 3 साल की हुई जेल

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना में नागौद की अदालत ने एक महिला के साथ हुई अश्लीलता और मारपीट के मामले में आरोपी को 5 साल बाद सजा सुनाई। न्यायाधीश वैभव पटेल ने ग्राम मढ़ी थाना निवासी चन्द्र बहादुर सिंह उर्फ बड़का को दोषी ठहराते हुए 3 साल के कारावास और 1 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। घटना 8 सितंबर, 2019 को हुई थी। महिला ने घटना की शिकायत नागौद थाने में दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच की और आरोपी को गिरफ्तार किया।

जानकारी के अनुसार महिला शौच करने खेत मे गई थी, तभी आरोपी चन्द्र बहादुर सिंह वहां पहुंच गया। उसने महिला के साथ अश्लीलता की और उसे जमीन पर गिरा दिया। आरोपी ने पीड़िता की साड़ी व पेटीकोट फाड़ दिए और उसके साथ मारपीट भी की। महिला के शोर मचाने पर ग्रामीण वहां आ गए जिसके बाद आरोपी भाग गया।

पुलिस ने जांच पूरी करने के बाद प्रकरण अदालत में पेश किया। अदालत ने सबूतों के आधार पर आरोपी को दोषी करार दिया और उसे सजा सुनाई।

राज्यमंत्री की उपस्थिति में किसानों की संगोष्ठी

विकासखण्ड सोहावल में किसानों को दी गई सीधे बोनी की सलाह

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी की अध्यक्षता में विकासखण्ड सोहावल में कृषक समूह को वैज्ञानिकों द्वारा कृषक संगोष्ठी आयोजित कर कृषकों को मिट्टी परीक्षण के महत्व एवं नरवाई न जलाने के लाभ, हैप्पीसीडर/सुपरसीडर से सीधे बोनी की सलाह दी गई। इसके अलावा विभागीय योजनान्तर्गत रबी बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय खाद्य एवं पोषण सुरक्षा दलहन योजनान्तर्गत आयोजित बीज वितरण कार्यक्रम में मिनीकिट मसूर बीज (8 किग्रा. प्रति किट) 312 कृषकों, टर्फा/क्लस्टर मसूर बीज 25 कृषकों एवं टर्फा/क्लस्टर चना बीज 74 कृषकों को वितरित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष राजेश रावत, जनपद पंचायत सोहावल उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह, सभापति कृषि स्थाई समिति रामसिंह, जनपद सदस्य रावेन्द्र सिंहएवं अन्य जनपद सदस्य तथा कृषक, गणमान्य नागरिक एवं विभागीय अधिकारी/कर्मचारी उपस्थिति रहें।

भरण-पोषण अधिनियम के क्रियान्वयन पर गंभीर रहे अधिकारी : कलेक्टर

जिला स्तरीय समिति की बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007 एवं मध्यप्रदेश नियम 2009 अंतर्गत गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक में कलेक्टर अनुराग वर्मा ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के संरक्षण और भरण-पोषण संबंधी नियमों के क्रियान्वयन में संवेदनशीलता से कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि अधिनियम के क्रियान्वयन के लिए सभी एसडीएम अपने क्षेत्र के प्राधिकृत अधिकारी होते हैं। इस मौके पर अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, एसडीएम जीतेन्द्र वर्मा, एपी द्विवेदी, आरएन खरे, राहुल सिलाडिया, उप संचालक सामाजिक न्याय सौरभ सिंह, अशासकीय सदस्य हरिप्रकाश गोस्वामी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उप संचालक सामाजिक न्याय ने बताया कि समिति की प्रत्येक 3 माह में बैठक आहूत की जाती है। बुजुर्गजनों के भरण-पोषण अधिनियम अंतर्गत जनसुनवाई के प्राधिकृत अधिकारी सभी एसडीएम है। उन्होंने बताया कि माता-पिता या आश्रित बुजुर्गजनों के भरण-पोषण नियम के उल्लंघन पर 10 हजार रूपये तक के मासिक भरण-पोषण भत्ता अधिरोपित करने के प्रावधान है। उन्होंने कहा कि अधिनियम के तहत बुजुर्गजनों के लिए पुनर्वास की दिशा में भी प्रावधान किये गये हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी ने शासन की योजना अनुसार बताया कि 70 वर्ष की आयु से अधिक सभी बुजुर्गजनों को आयुष्मान कार्ड की सुविधा प्रदान की जायेगी।

दिवाली पर महाआरती-दीपोत्सव का आयोजन

50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने, दीपदान करने की संभावना

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट के परिक्रमा मार्ग स्थित कामदगिरि महाआरती स्थल पर दीपावली मेले के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है। यह आयोजन संत विपिन विराट महाराज के द्वारा किया जा रहा है। जिसमें दीपावली के दिन विशेष रूप से 11,000 दीपक महाआरती स्थल पर जलाए जाएंगे।

इस कार्यक्रम में बुंदेलखंड का प्रसिद्ध दिवारी नृत्य भी प्रस्तुत किया जाएगा। जिसमें 50 स्थानीय कलाकार तालियों की धुन पर अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। यह तीन दिवसीय आयोजन महा आरती ग्राउंड पर प्रतिदिन महाआरती के साथ संपन्न होगा। विपिन विराट महाराज ने बताया कि जिस दिन भगवान श्री रामलला अयोध्या में विराजमान हुए थे। उसी दिन से कामदगिरि महाआरती की परंपरा प्रारंभ की गई थी। यहां प्रतिदिन 10 संत भगवान कामदगिरि पर्वत की आरती करते हैं, साथ ही 1100 हनुमान चालीसा का पाठ भी होता है। दीपावली के इस पावन अवसर पर प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु महा आरती में भाग लेने आते हैं।

महाराज ने बताया कि इस वर्ष दीपावली पर 50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने और दीपदान करने की संभावना है। संत विपिन विराट महाराज ने बताया कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जब लंका पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौट रहे थे, तब पुष्पक विमान से चित्रकूट में उतरे थे। उनके स्वागत में संतों और महंतों ने दीप जलाकर आरती की थी और इसी दिन से दीपावली का यह भावनात्मक त्योहार मनाया जाने लगा।

चित्रकूट में इस ऐतिहासिक और धार्मिक महोत्सव को देखने के लिए देशभर से श्रद्धालुओं का उमड़ने का अनुमान है। जो अपने आराध्य की महाआरती और दीपोत्सव में भाग लेकर धर्म और संस्कृति से जुड़ने का अवसर पाएंगे।

सिविल हॉस्पिटल अमरपाटन के नव निर्मित भवन में वार्डो का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर मैहर रानी बाटड की पहल पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अमरपाटन के नवनिर्मित भवन में सिविल अस्पताल के सभी वार्ड विधिवत रूप से चालू हो गए हैं। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में साफ-सफाई के साथ नव निर्मित अस्पताल भवन में विद्युत कनेक्शन कराकर वार्डों में शिफ्ट करने के निर्देश दिये थे। बिजली का कनेक्शन हो जाने से पिछले 2 वर्षों से नव निर्मित अस्पताल भवन में सोमवार से 100 बिस्तरों वाले अस्पताल के सभी महिला, पुरूष वार्डों को सुचारू रूप से प्रारंभ कर दिया गया है। इस दौरान एसडीएम अमरपाटन आरती यादव ने सोमवार को अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस मौके पर अधिकारी-कर्मचारी व अस्पताल के डॉक्टर उपस्थित रहे।

आयुष्मान भारत योजना में 70 वर्ष से अधिक के वृद्धजन भी होंगे शामिल

प्रधानमंत्री 29 अक्टूबर को करेंगे शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 29 अक्टूबर को दोपहर 12:30 से दोपहर 1:35 बजे तक वर्चुअल रूप से 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी वृद्धजनों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना अंतर्गत शामिल किए जाने की योजना का शुभारंभ किया जाएगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी द्वारा स्वास्थ्य विभाग के यूडब्ल्यूआईएन पोर्टल एवं आयुष मंत्रालय फार्मास्यूटिकल्स विभाग की परियोजनाओं का शुभारंभ एवं शिलान्यास सहित अनेक डिजिटल नवाचारों को भी लॉन्च किया जाएगा।

जिसका लाईव टेलीकास्ट ऑनलाइन किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सिवनी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मंदसौर में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के लोकार्पण एवं शासकीय नर्सिंग महाविद्यालयों के भूमिपूजन (वर्चुअल) कार्यक्रम में स्वयं उपस्थित रहेंगे। जिला स्तर पर वर्चुअल कार्यक्रम का आयोजन 29 अक्टूबर को दोपहर 12:30 से 01:35 बजे तक टाउन हाल सतना में आयोजित किया जाएगा। बैठक में मंत्री, सांसद, विधायक तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर चिकित्सा शिविर एवं आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की भी व्यवस्था विभाग द्वारा की गई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी द्वारा सतना एवं मैहर जिले के समस्त जनप्रतिनिधियों एवं जन समुदाय से इस ऑनलाइन लाईव टेलीकास्ट कार्यक्रम में टाउन हाल सतना में और ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर अपनी उपस्थिति देकर कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की गई है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि अपने परिवार एवं पड़ोस के समस्त 70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड बनवाये और आयुष्मान योजना का लाभ लें।

राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ का आयोजन आज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। राज्य शासन के निर्देशानुसार सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 29 अक्टूबर को एकता, अखण्डता और सुरक्षा की भावना को मजबूती प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई जायेगी।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रातः 9 बजे राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलायेंगे। शपथ कार्यक्रम के पश्चात रन फार यूनिटी की शुभारंभ किया जायेगा। प्रदेश के प्रत्येक जिले में कम से कम एक स्थान पर रन फार यूनिटी का आयोजन किया जायेगा। जिसमें अधिक से अधिक जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, विद्यार्थीयों, खिलाड़ियों एवं युवाओं को सम्मिलित किया जाएगा।

चौपाटी पर होगी शपथः सतना शहर में सिविल लाइन चौपाटी में राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई जाएगी। सभी अधिकारी-कर्मचारियों को प्रातः 8.45 बजे तक पहुंचने को कहा गया है। शपथ ग्रहण के बाद रन फॉर यूनिटी का आयोजन दादा सुखेंद्र सिंह स्टेडियम तक किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।